घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 189- सोमवार 11 - मई 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

विजय तमिलनाडु के 9 वें मुख्यमंत्री बने

शपथ लेते वक्त स्पीच देने लगे तो राज्यपाल ने टोका,पहला ऑर्डर 200 यूनिट फ्री बिजली का

चेन्नई,10 मई 2026। तमिलगा वेत्री कड़गम चीफ और एक्टर से नेता बने सी जोसेफ विजय तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने रविवार सुबह 10.15 बजे तमिल में शपथ ली। इस दौरान राहुल गांधी भी मौजूद रहे। थलापित विजय शपथ लेते समय निर्धारित लाइनों के अलावा और बातें बोलने लगे। इस पर राज्यपाल अर्लेकर ने उन्हें टोक दिया और कहा कि वही पढ़ें जो लिखकर दिया है। सीएम विजय के साथ 9 और मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें एन आनंद,आधव अर्जुन,डॉ. केजी अरुणराज,केए सेंगोट्टैयन,पी वेंकटरमणन,आर निर्मलकुमार,राजमोहन,डॉ. टीके प्रभु, सेल्वी एस कीर्तना शामिल है। ये सभी विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम के विधायक हैं। सहयोगी दलों के किसी विधायक को मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया है। सीएम बनते ही विजय एक्शन में आए और दस्तावेजों का पहला सेट साइन किया। इनमें 200 यूनिट फ्री बिजली देने,महिला सुरक्षा दल और एंटी ड्रग्स स्क्वॉड बनाने के आदेश शामिल हैं।

विजय ने शपथ के दौरान कहा...

मैं सी. जोसेफ विजय भारत की संविधान के प्रति सच्ची आस्था और निष्ठा रखूंगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में भारत की एकता,अखंडता को बनाए रखूंगा और अपने विवेक के अनुसार कर्तव्यों और कानून का पालन करूंगा। किसी से डरूंगा नहीं और ना ही एकतरफा आदेश मानूंगा। मैं न्याय करूंगा, सभी लोगों के साथ न्याय करूंगा।

नवीन पटनायक ने विजय को बधाई दी...

बीजू जनता दल के प्रमुख नवीन पटनायक ने विजय को मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, विजय को सीएम बनने पर बधाई। उम्मीद है कि तमिलनाडु नई लीडरशिप के नेतृत्व में और ऊंचाइयों पर पहुंचेगा और तेजी से विकास करेगा।

सीएम बनते ही एक्शन में विजय,पहला ऑर्डर 200 यूनिट बिजली फ्री

सीएम जोसेफ विजय ने शपथ लेते ही एक्शन शुरू कर दिया है। उन्होंने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 200 यूनिट फ्री बिजली देने वाली फाइल पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक विशेष बल बनाने वाली फाइल साइन की। सीएम विजय ने अपने पहले संबोधन में कहा कि वे किसी शाही खानदान से नहीं हैं,लोगों ने ही उनका स्वागत किया और उन्हें स्वीकार किया। इसलिए झूठे वादों से लोगों को धोखा नहीं देंगे। सीएम विजय ने बताया कि पिछली डीएमके सरकार पर राज्य पर 10 लाख करोड़ रुपए का कर्ज लादने का आरोप लगाया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने विजय,राहुल गांधी बोले...राज्य ने नई पीढ़ी और नई सोच को चुना

तमिलनाडु की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत करते हुए अभिनेता से नेता बने विजय ने रविवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कई प्रमुख विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए। शपथ ग्रहण के बाद राहुल गांधी ने विजय को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तमिलनाडु ने 'नई पीढ़ी,नई आवाज और नई सोच' को चुना है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि तमिलनाडु की जनता ने बदलाव के पक्ष में अपना फैसला दिया है। राहुल ने उम्मीद जताई कि विजय राज्य की जनता की आकांक्षाओं और उम्मीदों पर खरे उतरेंगे।

खरगे ने दी विजय को बधाई...

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी विजय को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि लंबे समय से राज्य की राजनीतिक और सामाजिक चेतना को परिभाषित करने वाले आदर्श टीवीके प्रमुख के नेतृत्व में सरकार को आगे भी दिशा देते रहेंगे। खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि विजय के तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर मैं उन्हें, तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) पार्टी और पूरे गठबंधन को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

कांग्रेस ने डीएमके की पीठ में छुरा घोंपा : पीएम मोदी

कर्नाटक में 'आर्ट ऑफ लिविंग' के प्रोग्राम में कहा...सत्ता बदलते ही कांग्रेस पलटी

बेंगलुरु,10 मई 2026। बेंगलुरु में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा...कांग्रेस और डीएमके के बीच पिछले 25-30 साल से करीबी संबंध रहे हैं। डीएमके ने कई बार कांग्रेस को संकट से बाहर निकाला। 2014 से पहले केंद्र में 10 साल तक चली कांग्रेस सरकार भी डीएमके के समर्थन की वजह से ही टिकी रही। डीएमके ने हर समय कांग्रेस के हित में काम किया,लेकिन जैसे ही सत्ता का समीकरण बदला,कांग्रेस ने पहले ही मौके पर डीएमके की पीठ में छुरा घोंप दिया। उन्होंने यह बात 'आर्ट ऑफ लिविंग' के 45वें स्थापना दिवस समारोह में कही।

कांग्रेस पार्टी सिर्फ धोखा देना जानती है : पीएम

पीएम ने कहा...कांग्रेस पार्टी सिर्फ धोखा देना जानती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खुद झूठ बोलती है और उसकी गारंटियां भी झूठी होती हैं। कर्नाटक में पिछले तीन साल से यही स्थिति देखने को मिल रही है। राज्य सरकार जनता की समस्याएं हल करने के बजाय अपना ज्यादातर समय अंदरूनी झगड़े सुलझाने में बिता रही है। उन्होंने आगे कहा कि यह तक तय नहीं हो पा रहा कि मौजूदा मुख्यमंत्री कितने दिन तक पद पर रहेंगे और दूसरे नेता को मौका मिलेगा या नहीं।

400 से ज्यादा सीटें जीतने वाली पार्टी 100 सीटें भी नहीं जीत पा रही : पीएम

पीएम ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि 40 साल पहले 400 से ज्यादा सीटें जीतने वाली पार्टी पिछले तीन चुनावों में मिलकर भी 100 सीटों का आंकड़ा पार नहीं कर पाई। इसके बावजूद कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का अहंकार इतना ज्यादा है कि वे अपनी हार के लिए पूरी दुनिया को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। पीएम ने बीजेपी और एनडीए की जीत का जिक्र करते हुए कहा कि देशभर में पार्टी को बड़ा समर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी में लगातार दूसरी बार और असम में लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार बनी है। पश्चिम बंगाल में भी बीजेपी को पहली बार इतना बड़ा जनादेश मिला है। उन्होंने इसे पार्टी के लिए अहम राजनीतिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा यह भी कहा कि दो हफ्ते पहले गुजरात में हुए पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों में बीजेपी ने रिकॉर्ड जीत हासिल की। उनके मुताबिक, गुजरात बीजेपी ने अपने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। पीएम ने कहा- आपको याद होगा कि महज 10 साल पहले बंगाल में हमारे पास सिर्फ 3 विधायक थे। लेकिन आज वहां भाजपा की सरकार है और 200 से अधिक विधायक हैं।

एयर इंडिया ने नियमों का उल्लंघन करने वाले 1,000 से ज्यादा कर्मचारियों को निकाला

नई दिल्ली,10 मई 2026। एयर इंडिया ने पिछले तीन सालों में 1,000 से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से बाहर किया है। रिपोर्ट के अनुसार,इन कर्मचारियों पर नैतिक नियम तोडने के आरोप थे। एयरलाइन के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने कहा है कि कंपनी में सही तरीके से काम करना जरूरी है। एयर इंडिया में इस समय करीब 24,000 कर्मचारी काम कर रहे हैं। यह जानकारी कर्मचारियों के साथ हुई एक टाउन हॉल मीटिंग में साझा की गई। विल्सन ने बताया कि कई कर्मचारियों को प्लेन में सामान की तस्करी और बिना शुल्क अतिरिक्त सामान ले जाने जैसे मामलों में हटाया गया। इसके अलावा, कर्मचारियों के लिए बने एम्प्लॉई लीजर ट्रैवल सिस्टम के गलत इस्तेमाल के मामले भी सामने आए। रिपोर्ट के मुताबिक,एयर इंडिया ने इस सिस्टम में हजारों कर्मचारियों की गड़बडियां पकड़ी हैं। कंपनी ने ऐसे मामलों में जुर्माना लगाने और नियम सख्त करने जैसे कदम भी उठाए हैं। एयर इंडिया इस समय आर्थिक दबाव का सामना कर रही है और खर्च कम करने के उपाय लागू कर रही है। कंपनी ने कर्मचारियों के सालाना वेतन बढ़ोतरी को कुछ समय के लिए टाल दिया है। साथ ही गैर-जरूरी खर्च कम करने के निर्देश भी दिए गए हैं। कंपनी प्रबंधन ने कर्मचारियों से फिजूल खर्च रोकने और मुश्किल हालात को समझने की अपील की है। एयरलाइन का कहना है कि मौजूदा हालात में हर स्तर पर लागत नियंत्रण जरूरी है। एयर इंडिया के सीईओ ने कर्मचारियों से कहा कि अगर मिडिल ईस्ट में हालात नहीं सुधरे तो यह साल कंपनी के लिए बहुत ज्यादा कठिन हो सकता है। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस को मार्च, 2026 तक खत्म हुए वित्त वर्ष में 22,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान होने का अनुमान है। कंपनी का कहना है कि वैश्विक हालात, ईंधन खर्च और दूसरे आर्थिक दबावों का असर कारोबार पर पड़ रहा है।

पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा 7 दिनों की ईडी रिमांड पर...100 करोड़ के जीएसटी घोटाले का आरोप

चंडीगढ़,10 मई 2026। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए गए पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा को गुरुग्राम के सेशंस कोर्ट ने 7 दिनों की रिमांड पर भेज दिया है। शनिवार देर रात ईडी ने आम आदमी पार्टी (आप) नेता और पंजाब कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा को करीब 100 करोड़ रुपये के कथित जीएसटी घोटाले से जुड़े मामले में गिरफ्तारी के बाद कोर्ट में पेश किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, ईडी ने संजीव अरोड़ा की 10 दिनों की रिमांड मांगी थी, लेकिन वकीलों की दलीलों के बाद मजिस्ट्रेट मुनमुन चौधरी ने 7 दिनों की रिमांड मंजूर की। संजीव अरोड़ा के वकील अर्जुन ने ईडी के आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा कि ईडी ने 5 मई को मामला दर्ज किया और 9 मई की सुबह मंत्री को गिरफ्तार कर लिया,जबकि इस बीच कोई वास्तविक जांच नहीं की गई। वकील ने दावा किया कि उन्हें अभी तक एफआईआर की कॉपी भी नहीं दी गई है। अदालत ने अब मंत्री को 16 मई को दोबारा गुरुग्राम कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है। ईडी अधिकारियों के अनुसार,यह जांच 100 करोड़ रुपये से अधिक के मोबाइल फोन की कथित फर्जी जीएसटी खरीद के इर्द-गिर्द घूम रही है। जांचकर्ताओं का दावा है कि इनपुट टैक्स क्रेडिट,निर्यात से जुड़े जीएसटी रिफंड और ड्यूटी ड्रॉबैक का गलत तरीके से लाभ उठाने के लिए दिल्ली स्थित फर्जी फर्मों के माध्यम से फर्जी खरीद बिल तैयार किए गए थे। इस कार्रवाई के दौरान,एजेंसी ने हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड के परिसरों की भी तलाशी ली, जो इस मामले में जांच के घेरे में है। मंत्री संजीव अरोड़ा के घर पर हुई ईडी की छापेमारी पर पंजाब के आप प्रदेश अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने कहा, हमें पता चला है कि ईडी की टीमें फिर से संजीव अरोड़ा के घर पहुंची हैं।

असम में फिर से 12 मई को मुख्यमंत्री बनेंगे हिमंता बिस्वा सरमा

बीजेपी विधायक दल के नेता चुने गए,सरकार बनाने का पेश किया दावा

गुवाहाटी,10 मई 2026। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा लगातार दूसरी बार राज्य की कमान संभालने जा रहे हैं। असम की राजनीति में अपनी रणनीतिक कुशलता और विकासवादी छवि के लिए मशहूर सरमा 12 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने रविवार (10 मई) को ऐलान किया कि हिमंता बिस्वा सरमा को असम में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की अगुवाई वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के विधायक दल का नेता सर्वसम्मति से चुन लिया गया है। इससे उनके लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है। असम में लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनेगी। बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार पहली बार 2016 में सत्ता में आई थी, जिसकी बागडोर सर्वानंद सोनोवाल के हाथ में थी। नड्डा ने कहा कि निवर्तमान सरकार के मंत्रियों रंजीत कुमार दास, अजंता नेओग, अशोक सिंघल और पीयूष हजारिका समेत बीजेपी के आठ विधायकों ने शर्मा के नाम पर प्रस्ताव रखा। गठबंधन के सहयोगी दलों असम गण परिषद और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट ने भी उनके नाम का समर्थन किया। इससे पहले रविवार सुबह बीजेपी विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें बाद में गठबंधन के सहयोगी दल भी शामिल हो गए। बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर नड्डा और सह-पर्यवेक्षक हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उपस्थित रहे। गठबंधन नेता चुने जाने के बाद सरमा ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन विधायकों को संबोधित करते हुए पिछले महीने हुए चुनाव में मिले जनादेश के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि वह सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए राज्यपाल से मिलेंगे।

गुरुग्राम : एल्विश यादव से लॉरेंस गैंग ने मांगी 10 करोड़ की रंगदारी

गुरुग्राम,10 मई 2026। यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एल्विश यादव को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। इस बार कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर उनसे 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई है। धमकी विदेशी नंबर से व्हाट्सएप मैसेज के जरिए दी गई। मैसेज भेजने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का करीबी रणदीप मलिक बताया है। रविवार को मामले की शिकायत मिलने के बाद गुरुग्राम के सेक्टर-56 थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि कि धमकी के मैसेज कहां से भेजे गए। जानकारी के अनुसार, एल्विश यादव इन दिनों एक शो की शूटिंग के सिलसिले में गुरुग्राम से बाहर हैं। उनका इन दिनों कर्ल्स चैनल पर लाफ्टर शैफ शो चल रहा है। इसके अलावा वह अन्य चैनलों की शूटिंग भी कर रहे हैं। परिवार के सदस्यों ने बताया कि धमकी देने वाले ने दो दिन के भीतर रकम नहीं देने पर गोली मारने की चेतावनी दी है। पुलिस अब नंबर की लोकेशन और कॉल डिटेल्स खंगालने में जुटी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, 5 मई को एल्विश यादव के मोबाइल पर एक विदेशी नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई थी, लेकिन वह कॉल रिसीव नहीं कर पाए। इसके कुछ देर बाद उसी नंबर से एक मैसेज भेजा गया। मामले पर एल्विश यादव के पिता रामअवतार यादव ने कहा कि उनका बेटा मेहनत के दम पर इस मुकाम तक पहुंचा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से किया पेट्रोल-डीजल का संयम से इस्तेमाल का आह्वान

हैदराबाद,10 मई 2026। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध में होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से वैश्विक ईंधन आपूर्ति पूरी तरह ठप पड़ी है। इसको देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को लोगों से पेट्रोल,डीजल और गैस का बहुत ही संयम के साथ उपयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आयातित पेट्रोल उत्पादों पर निर्भरता कम करने से विदेशी मुद्रा की बचत होगी और भारत की अर्थव्यवस्था पर युद्ध के प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना में 9,377 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के उद्घाटन के दौरान हैदराबाद में कहा, पिछले 2 महीने से हमारे पड़ोस में इतना बड़ा युद्ध चल रहा है। इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ा है और भारत पर तो और भी गंभीर असर हुआ है। उन्होंने कहा, युद्ध की वजह से पूरी दुनिया में पेट्रोल,डीजल, गैस और फर्टिलाइजर के दाम बहुत अधिक बढ़ चुके हैं। यहां तक की उनकी कीमतें आसमान को भी पार कर गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत के पास बड़े-बड़े तेल के कुएं नहीं है। हमें अपनी जरूरत का पेट्रोल-डीजल,गैस,यह सब बहुत बड़ी मात्रा में दुनिया के दूसरे देशों से मंगवाना पड़ता है।

उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल का विस्तार,6 विधायक बनाए गए मंत्री

भूपेंद्र चौधरी और मनोज पांडेय को मिली जगह....

लखनऊ,10 मई 2026। उत्तर प्रदेश के मंत्रिमंडल का आज दूसरी बार विस्तार हुआ है। 6 नए मंत्रियों को कैबिनेट में शामिल किया गया है। इनमें भूपेंद्र चौधरी, मनोज पांडे, कृष्णा पासवान,हंसराज विश्व कर्मा,कैलाश राजपूत,सुरेंद्र दिलेर के नाम हैं। नए मंत्रियों में एक ब्राह्मण, 3 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और 2 दलित वर्ग से हैं। वहीं,2 मंत्रियों का प्रमोशन हुआ है। इनमें राज्यमंत्री अजीत पाल और सोमेंद्र तोमर का नाम है। उत्तर प्रदेश भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष। फिलहाल विधान परिषद सदस्य। मनोज पांडेः ऊंचाहार से विधायक। समाजवादी पार्टी छोड़कर भाजपा में आए। कृष्णा पासवान खागा सीट से भाजपा विधायक हैं। 4 बार विधायक और 2 बार जिला पंचायत सदस्य रह चुकी हैं। सुरेंद्र दिलेर खैर सीट से विधायक। हाथरस के पूर्व सांसद राजवीर सिंह दिलेर के बेटे हैं। हंसराज विश्व कर्मा भाजपा से एमएलसी। पिछड़ा वर्ग की राजनीति में मजबूत पकड़। कैलाश राजपूतः तिर्वा से विधायक। पहले बसपा में रहे। योगी सरकार ने पहला मंत्रिमंडल विस्तार 2024 के लोकसभा चुनाव ठीक पहले 5 मार्च को किया था। तब 4 नेताओं को मंत्री बनाया गया था। इनमें सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर,सपा छोड़कर भाजपा में आने वाले दारा सिंह चौहान, राष्ट्रीय लोक दल के अनिल कुमार और भाजपा के सुनील शर्मा के नाम शामिल थे। फिलहाल उत्तर प्रदेश सरकार में मुख्यमंत्री को मिलाकर 54 मंत्री हैं। आज विस्तार के बाद ये 60 हो गए हैं। अखिलेश यादव ने कहा, मंत्रिमंडल में केवल 6 रिक्तियां हैं,इससे ज्यादा तो दूसरे दल से पाला बदल कर आए लोग हैं, क्या उन सभी को मंत्री पद से नवाजा जाएगा? एक समाज के कई विधायकों में से एक को चुना जाएगा तो आधार क्या होगा? जनता ये भी पूछ रही है कि आखिरी 9 महीनों में ये मंत्री क्या कर लेंगे जब 9 साल में ये सरकार कुछ न कर सकी। उत्तर प्रदेश में भाजपा के 258 विधायक हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट' को लेकर पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखकर...पर्यावरण मंजूरी की प्रक्रिया पर उठाए सवाल

नई दिल्ली,10 मई 2026। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना को लेकर केंद्र सरकार पर एक बार फिर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि परियोजना को दी गई पर्यावरणीय मंजूरी अधूरी और अपर्याप्त पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) रिपोर्टों के आधार पर प्रदान की गई है। जयराम रमेश का कहना है कि सरकार द्वारा जारी 'ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट एफएक्यू' में किए गए कई दावे मंत्रालय के आधिकारिक दस्तावेजों और उपलब्ध अध्ययनों से मेल नहीं खाते। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना पत्र साझा करते हुए कहा कि सरकार ने 01 मई को जारी एफएक्यू में दावा किया था कि परियोजना के संभावित पर्यावरणीय प्रभावों की व्यापक पहचान, मूल्यांकन और प्रबंधन मजबूत पर्यावरण प्रभाव आकलन प्रक्रिया तथा विस्तृत पर्यावरण प्रबंधन योजना के माध्यम से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह इस विषय पर पहले भी 03 मई को विस्तृत प्रतिक्रिया दे चुके हैं, लेकिन अब कुछ अतिरिक्त तथ्यों और तकनीकी बिंदुओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं।

संपादकीय

बंगाल को पटरी पर लाने की चुनौती

पश्चिम बंगाल में जैसे ही मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की प्रक्रिया शुरू हुई थी,वैसे ही ममता बनर्जी ने उसका उग्र विरोध करना शुरू कर दिया था और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया। शीर्ष अदालत ने एसआइआर को न केवल सही माना,बल्कि उसे जारी रखने के आदेश भी दिए। यही नहीं उसने इस प्रक्रिया की निगरानी न्यायिक अधिकारियों को भी सौंप दी। जब चुनाव आयोग ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए राज्य में बड़ी संख्या में केंद्रीय बलों की तैनाती की तो उसका भी ममता ने विरोध किया,जबकि यदि चुनाव के पहले और चुनाव के समय हिंसा नहीं हुई तो इसका श्रेय चुनाव आयोग को ही जाता है।

इसके बाद भी ममता ने अपनी हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ा। इस्तीफा देने से इन्कार करके उन्होंने बचकाने राजनीतिक व्यवहार का ही परिचय दिया है। निःसंदेह अन्य राज्यों की तरह बंगाल में भी मृत,स्थानांतरित और दोहराव वाले लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए,लेकिन इसके आधार पर इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता कि तृणमूल कांग्रेस यानी टीएमसी एसआइआर के कारण हारी। यह आरोप इस तथ्य से झूठा साबित होता है कि जिन 20 सीटों पर सबसे अधिक नाम काटे गए,उनमें से 13 में टीएमसी जीती।

इससे इन्कार नहीं कि एसआइआर में कुछ विसंगतियां रही होंगी,क्योंकि कोई भी प्रक्रिया सौ प्रतिशत सही नहीं होती,पर टीएमसी की हार के लिए एसआइआर को दोष देना इस सच से मुंह मोड़ना है कि ममता का शासन कुशासन का पर्याय बन गया था। 15 वर्षों से सत्ता पर आसीन ममता ने मुस्लिम तुष्टीकरण की हदें पार कर दी थीं। इसकी प्रतिक्रिया में हिंदू भाजपा के पक्ष में गोलबंद हुए और इसी कारण उसे अप्रत्याशित जीत मिली। टीएमसी की पराजय इस कारण भी हुई, क्योंकि खुद ममता भी अलोकप्रिय हो गई थीं। इसका कारण था उनके नेताओं और कार्यकर्ताओं की ओर से अवैध वसूली और लोगों की संपत्तियों पर कब्जा करना।

बंगाल में महिला असुरक्षा का मुद्दा भी सतह पर आया,क्योंकि आरजी कर मेडिकल कालेज की डाक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या और संदेशखाली में हिंसा एवं महिलाओं से दुर्व्यवहार की घटनाओं ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। इससे टीएमसी के प्रति सत्ता विरोधी माहौल और अधिक गहराया। ममता अपनी गलतियों को स्वीकार करने के बजाय जिस तरह यह कह रही हैं कि वे हारी नहीं, बल्कि उन्हें हराया गया है,वह उनकी खीझ ही है।

बंगाल में आजादी के बाद पहले कुछ दशकों तक कांग्रेस का शासन रहा, फिर वाम दल तीन दशक से भी अधिक समय तक सत्ता में रहे। जब वाम दलों का शासन कुशासन का पर्याय बना तो लोगों ने परिवर्तन के नारे के साथ उन्हें चुनौती देने वाली ममता का साथ दिया,लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने भी वाम दलों वाले तौर-तरीके अपना लिए। इसका एक कारण यह भी रहा कि वाम दलों के तमाम नेता और कार्यकर्ता टीएमसी में आ गए थे। एक समय जो ममता बांग्लादेशी घुसपैठियों का विरोध करती थीं,वही सत्ता पाने और उसे बनाए रखने के लोभ में उनकी अनदेखी करनी लगीं। वे इस सच से इन्कार करती रहीं ।

जीवन का सुख-चैन छीनता अहंकार

डॉ.प्रितम भि.गेडाम

भले ही हमने शारीरिक रूप से मानवी देह पाया है, लेकिन क्या हम इंसान है या इंसान कहलाने के पात्र है? आज के दौर में इंसान बनकर जीने वाले दुर्लभ होते जा रहे हैं। आइये पहले हम स्वयं से जानते है कि,इंसान किन्हें कहते हैं। दूसरों की खुशी में खुश होना,दूसरों के दुःख में दर्द महसूस होना,दूसरों भावनाओं को समझना,उसकी कद्र करना। अपने स्वार्थ को दूर रखकर हमेशा दूसरों के भलाई का ख्याल करना। देश और समाज के विकास के लिए तत्पर रहना,यथोचित हर संभव मदद करना,मानव कल्याण का जज्बा बनाये रखना। झूठे दिखावे से बचना, लोगों से ईर्ष्या भाव न करना। प्रकृति, पशु-पक्षियों और जंगल की रक्षा करना। जाती,धर्म,लिंग,क्षेत्र,भाषा,रंगरूप पर आधारित भेदभाव को न मानकर समस्त मानवी समाज को एक स्तर पर मानकर मानवी सेवा विकास को सर्वोपरि मानना। कथनी-करनी में अंतर न करना। नशाखोरी,भ्रष्टाचार,चरित्रहीन व्यवहार,अन्यों से दुर्व्यवहार,अपराध, भेदभाव से अलिप्त होकर सत्कर्मों को ही हमेशा प्राथमिकता देना। यह सभी इंसानियत की विशेषता है,जो इंसानो में होनी चाहिए। अगर ये सभी विशेषता हम में है,तो हम इंसान है,वर्ना जानवरों को भी लज्जित कर दे,ऐसे घृणात्मक कलंकित करनेवाली दुःखद घटनाएं तो हमारे आसपास रोजाना होती ही है और हम आँखे मूंदकर बुजदिल की जिंदगी काटते हैं।

हमारे आसपास के इस कलह भरे वातावरण में हर कोई झूट का मुखौटा पहनकर खुद को इंसान दिखाने का प्रयत्न कर रहा है और यही वातावरण अहंकार की भेट चढ़कर जीवन का सुकून छीन रहा हैं। आज रिश्ते-नाते,शादियां तोड़ने में अहंकार मुख्य भूमिका में हैं। दुनिया को बताने के लिए कारण कुछ भी बताये लेकिन आज विभिन्न देशों में चल रहे युद्ध का कारण अहंकार भी है,जिससे बड़ी मात्रा में मासूमों की जान जा रही है,पर्यावरण,धन का अपव्यय हो रहा है और पूरी दुनिया पर इसका गंभीर असर हो रहा हैं। अनेक बार रिश्तेदार,आस-पडोसी,परिचित अहंकार के कारण जिंदगी भर बात नहीं करते,उससे जिंदगी में क्या हासिल हो जाता है,पता नहीं।

क्या आप जानते है कि, जब भी हम क्रोध,चिढ़,ईर्ष्या,तनाव या बुरे विचारों से भर उठते है,तब उसका सीधा असर हमारे खुद के ही स्वास्थ्य पर गंभीर असर करता है,अर्थात दूसरों पर गुस्सा करना हमारे जान को जोखिम में डालता हैं। आजकल तो नाम के लिए या दिखावे के लिए हम खूब आधुनिक होने का दम भरते है,लेकिन विचारों और संस्कारों से हम लगातार पिछड़ते ही जा रहे हैं। राह चलते हुए गलती से किसी को धक्का भी लग जाये तो,इंसानियत दिखाने के बजाय गाली-गलौज,धमकी, धौस दिखाकर खुद के वर्चस्व को साबित करने की होड़ लग जाती है फिर बात मारपीट और कई बार हत्या तक पहुंच जाती हैं। हमारे रिश्ते-नाते,आस-पड़ोस या परिचित में किसी के घर कोई खुशखबर हो तो हम मन के मन में जलन से भरते है,लोगों की मेहनत को नजरअंदाज करके खुद की किस्मत को कोंसते है,कि दूसरों के साथ क्यों अच्छा होता है,हमारे साथ क्यों नहीं। झूठा

दिखावा और खुद का स्टैंडर्ड ऊंचा दिखाने के चक्कर में अक्सर बर्बादी के मुहाने में पहुँच जाते है,ये आज के समाज का घिनौना सच हैं। मनुष्य का अहंकार उसका सुख-चैन छीन लेता है और सुंदर शांत जीवन का मार्ग दुर्गम बना देता हैं। अहंकार मनुष्य के जीवन को विनाश की ओर धकेलता है, जैसे मनुष्य खुद ही अपनी मौत के लिए चिता सजा रहा हैं।

हमारे आसपास बहुत से बुरे घटनाओं से अनगिनत लोगों के दुःखद अंत की खबरें हमें झंझोड़ देती है, उदाहरण के लिए आज बहुत से अभिभावक बच्चों को विदेश भेजते है या बड़े शहरों में भेजते है और अहंकार से गर्वित होते है कि उनके बच्चे विदेशों में स्थायिक हो चुके है,परंतु अनेक बार ये ही बूढ़े माँ-बाप मर भी जाते है,फिर भी उनके बच्चे अंतिम संस्कार में उपस्थिति दर्शाना भी मुनासिब नहीं समझते,ये हमारे समाज की कड़वी सच्चाई हैं। दुनिया भर में हजारों ऐसे महान शख्सियत है जो नाम,शोहरत, रुतबा,पैसा होने के बावजूद सरल और सादगी पसंद जीवन यापन करते हैं, अनेक महान लोग दुनिया से चले जाने के बाद उनकी जिंदगीभर की कमाई में केवल कुछ जोड़ी कपड़े और किताबों का संग्रह देखने मिलता है,थोड़ी-बहुत संपत्ति होती भी है तो वे उसे दान कर चुके होते है,जबकि वे चाहते तो करोडो, अरबों रुपयों की संपत्ति बना सकते थे, लेकिन तब वे शायद अपने कर्मों से महान नहीं बन पाते।

अहंकार अक्सर हमारी झूठी आत्म-छवि को बचाने के लिए असलियत को तोड़-मरोड़ देता है,जिससे गलतियाँ मानना या आलोचना स्वीकार करना मुश्किल हो जाता है, अहंकार अगर हावी हो जाये तो खुद को सही साबित करने में लग जाते है,जिससे टकराव उत्पन्न होता हैं। अहंकार में मनुष्य खुद को महान या सर्वगुण संपन्न समझता है जिससे दूसरों के प्रति हीन भावना उत्पन्न होती हैं। अहंकार हमें दूसरों की राय और भौतिक सफलता की बहुत ज़्यादा परवाह करने पर मजबूर करता है, जिससे हमें चिंता और नाखुशी होती है, जीवन में उदासी छाती हैं। इससे लोग अच्छा करने के बजाय अच्छा दिखने को या शॉर्टकट लेने को प्राथमिकता देना पसंद करते हैं। अहंकार ज़िंदगी पर गहरा असर डालता है,बड़ा हुआ अहंकार कुछ नया सीखने में रुकावट डालता है,हार होने के डर से विकास को रोकता है, और लगातार अन्यों से तुलना करके दुःखी महसूस करता है,जबकि हमारे नियंत्रण में अहंकार हो तो अपनी शान बढ़ाने के बजाय हम खुद को बेहतर बनाने की कोशिश पर ध्यान केंद्रित करते है,जिससे समायोजित करने की क्षमता,गहरे रिश्ते और उत्पादकता बढ़ती हैं।

खुद को समझने के लिए अपने कार्य,व्यवहार,स्वभाव और इसका अन्यों पर असर इन सभी बातों का आत्मचिंतन करना बहुत जरुरी है,खुद का विश्लेषण करने के लिए समय निकालें और उन क्षेत्रों की पहचान करें जहाँ हमारा अहंकार हमारे निर्णयों और बातचीत को प्रभावित कर रहा हो। जीवन में सबसे जरूरी शुद्ध हवा,स्वच्छ जल,पोषक आहार है,और मन को संतोष है तो जीवन सुख से बीतता है,लेकिन लोग इसे प्राथमिकता देने के बजाय अहंकार, झूठा दिखावा और घमंड में सुकून खो बैठते हैं। लोग आज के दौर में,घर के आगे कोई पेड़ हो तो उसे काटकर वहां अतिक्रमण करना चाहते है,ताकि घर का दायरा बढ़ाया जा सकें,लेकिन ऐसी सोच ने पुरे देश में तापमान बढ़ाया है,यह किसी को नजर नहीं आता,हर कोई स्वार्थ के लिए जीते हुए प्रतीत होता हैं। स्वार्थ से अपना ध्यान हटाकर समाधानी सोच अपनायें। विनम्रता और सीखना अपनाएँ,मानें कि हमको सब कुछ नहीं पता। सफलता के लिए नतीजों पर नहीं, कोशिश पर ध्यान दें। मैं हमेशा ही सही हूँ वाली सोच छोड़ दें। अपना ध्यान अपनी चिंताओं से हटाकर दूसरों की सेवा करने पर लगाएँ,सत्कर्म करें। रोजाना ध्यान,योग या शांत सोच-विचार के लिए समय निकालें। अच्छे विचारों के लोगों से जुड़े,हेल्दी हॉबी अपनाएं, प्रकृति की रक्षा प्रत्येक की जिम्मेदारी समझें। महान समाजसुधारकों के आदर्श, सोच को जीवन में अपनाएं। अच्छे काम करने का सुकून दुनिया में बेशकीमती है, छोटी सी जिंदगी है इसे तनावमुक्त रहकर हंसते मुस्कुराते हुए बिताएं।

अहंकार एक धीमा जहर है,जो इंसान के गुणों को मार देता हैं।

श्रीराम के जीवन में शक्ति और विनम्रता का अद्भुत समन्वय!

आत्माराम यादव'पीव'
नर्मदापुरम,मध्यप्रदेश

महर्षि वाल्मीकि जी की रामायण का पठन करें या गोस्वामी तुलसीदास जी के रामचरितमानस की मीमांसा करें,या मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के चरित्र की त्रिवेणी में गोते लगाईयेगा,हमें हर जगह उनके जीवन में बल और विनम्रता,दोनों एक साथ दिखाई देती है जो एक दुर्लभ संयोग माना जाता है। जिस व्यक्ति में विद्यावल,शरीर बल और धन का बल होता है,उसमें कभी-कभी श्रेष्ठता मनोधन्वि का निर्माण हो जाता है। बल के मद में व्यक्ति की उच्चतर भावनाएँ भी कठोर हो जाती है। किन्तु जब बलवान व्यक्ति में विनम्रता का गुण आता है,तब उसका जीवन सोने पे सुहागा हो जाता है, उसका चरित्र सुदृढ़ हो जाता है। भगवान श्री रामचंद्र के जीवन में हम शक्ति और विनम्रता का विलक्षण समन्वय पाते हैं। श्रीराम का पराक्रम अतुलनीय था। उनके गुरु विश्वामित्र के द्वारा उन्हें विभिन्न शक्तियाँ और दिव्यास्त्र प्राप्त हुए थे। इसके अलावा उन्हें सम्पूर्ण शास्त्रों का ज्ञान था, किन्तु उनके शब्दों में हमें कहीं भी विद्या अथवा शक्ति का दंभ नहीं दिखता था, बल्कि उनके प्रत्येक शब्दों से मानो विनम्रता प्रस्फुटित होती थी। किन्तु आवश्यकता पड़ने पर वे वज्र के समान कठोर भी हो जाते थे।

राजा जनक की सभा में धनुष-भंग के पश्चात् जब क्रोध में उन्मुक्त परशुराम जी आते हैं और यह पूछते हैं कि उनके गुरु शिवजी का धनुष किसने तोड़ा,उस समय श्री राम जी के उत्तर में विनय की पराकाष्ठा दिखाई देती है। परशुराम जी को आवेशावतार कहा जाता है। परशुराम जी शिव-धनुष तोड़ने वाले को मृत्यु-दंड ही देने आए थे। सभा में और भी अनेक राजा उपस्थित थे। उन्होंने जब परशुराम जी को देखा,तो भय के मारे कांपने लगे और उन्हें प्रणाम करने लगे। श्री राम जी ने भी उन्हें प्रणाम किया। किन्तु श्री राम जी के प्रणाम करने और अन्य राजाओं के प्रणाम करने में अन्तर था। अन्य राजाओं की विनम्रता भय प्रसूत थी, किन्तु श्रीराम ने ती अपने विनम्र स्वभाव के वशीभूत ही प्रणाम किया।

जब भरी सभा में किसी में भी यह कहने का साहस नहीं हुआ कि किसने धनुष तोड़ा,तब गोस्वामी तुलसीदास जी बालकाण्ड में श्रीराम को आगे करके लिखते है कि श्रीराम ने परशुराम से कहा- नाथ शम्भू धनु भंजनि हारा,होइहि केउ एक दास तुम्हारा ।। अर्थात- शिव-धनुष तोड़ने वाला आपका कोई दास ही होगा। परशुराम जी ने सोचा होगा कि जिसने धनुष तोड़ा है. वह सीना तान कर खड़ा होगा। किन्तु श्रीराम के विनय रूपी जल ने परशुराम जी की क्रोधाग्नि को पूर्ण रूप से शांत कर दिया।

व्यक्ति को जब कोई बहुत बड़ी सफलता मिलती है,तब उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। यदि व्यक्ति में आत्मविश्वास न हो,तो उसका जीवन बोझ ढोने वाले पशु के समान हो जाता है। किन्तु यह भी देखना है कि यह आत्मविश्वास कहीं दंभ अथवा अहंकार का रूप न धारण कर ले। अच्छे कार्य का श्रेय तो हम ले लेते हैं.किन्तु कार्य में जब कोई त्रुटि दिखती है,तो हम उसे किसी दूसरे के मत्थे मढ़े हैं। श्रीरामजी का चरित्र हम यदि देखें,तो वे सफलता अथवा अच्छे कार्यों का श्रेय सदैव दूसरों को ही देते रहे। लंका काण्ड में प्रसंग आता है जब रावण वध के बाद भगवान श्री राम ने वानर सेना की प्रशंसा करते हुए कहा,तुम्हारे ही बल (सहयोग) से मैंने रावण को मारा है। यह राम जी का अपने भक्तों के प्रति प्रेम और अहंकार हीनता (निराभिमानी स्वभाव) को दर्शाता है,जहाँ वे अपनी जीत का यश अपनी सेना को देते हैं। रावण को पराजित करने के बाद वे युद्ध-विजय का श्रेय वानरों और भालुओं को देते हुए कहते हैं -

चितइ सबन्हि पर कीन्ही दाया।
बोले मृदुल बचन रघुराया॥
तुम्हरें बल मैं रावनु मारयो।
तिलक बिभीषन कहँ पुनि सारयो॥2॥

श्री राम रावण वध कर वनवास की अवधि पूरी कर अयोध्या लौटते है तब वे गुरुदेव वशिष्ठ के सामने वानरों की प्रशंसा में कहते हैं-

ए सब सखा सुनहु मुनि मेरे।
भए समर सागर कहँ बेरे ।।
मम हित लागि जन्म इन् हारे।
भरतहु ते मोहि अधिक पिआरे॥4॥

- हे मुनि। सुनिए। ये सब मेरे सखा है। ये संग्राम रूपी समुद्र में मेरे लिए बेड़े के समान हुए जिन्होंने मेरे हित के लिए इन्होंने अपने प्राणों तक की आहुति दे दी। ये मुझे भरत से अधिक प्रिय है । पुष्पक विमान में माता सीता एवं अन्य सहचरों के साथ जब वे अयोध्या प्रत्यागमन करते हैं, तब मार्ग में भी माता सीता से वे हनुमान, अंगद आदि के पराक्रमों का बखान करते हैं।

विनम्र व्यक्ति में ही विद्या की पूर्णता होती है। जैसे फलों से लदा हुआ वृक्ष झुक जाता है.उसी प्रकार यथार्थ विद्यावान व्यक्ति भी नम्र हो जाता है।

छोटे-छोटे निरंतर प्रयासों से खुलते बड़े सफलता के द्वार

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

गांधीजी का प्रसिद्ध कथन हैः-

पहले वे आपको नजर अंदाज करेंगे,फिर आप पर हँसेंगे, फिर आपसे लड़ेंगे और अंत में आप जीत जाएंगे।

मानव जीवन संघर्ष, परिश्रम,धैर्य और निरंतर प्रयासों की एक लंबी कहानी है। संसार में जितने भी महान व्यक्ति हुए उनकी सफलता किसी एक दिन की चमत्कारी घटना नहीं थी,बल्कि वर्षों तक किए गए छोटे-छोटे सतत प्रयासों का बड़ा परिणाम थी। सफलता का कोई सुगम और सरल नहीं होता। वह धीरे-धीरे तपकर,गिरकर,संभलकर और निरंतर आगे बढ़ने से प्राप्त होती है। जिस प्रकार छोटी-छोटी बूंदें मिलकर विशाल सागर का निर्माण करती हैं,उसी प्रकार मनुष्य के छोटे-छोटे प्रयास जीवन में बड़ी उपलब्धियों का आधार बनते हैं। किसी शायर ने कहा हैः-

पानी की छोटी बूंदों ने बढ़कर
समंदर बना दिया,
छोटे-छोटे प्रयासों ने
आदमी का मुकद्दर बना दिया।

आज का समय त्वरित परिणामों का समय माना जाता है। लोग चाहते हैं कि उन्हें बिना संघर्ष के तुरंत सफलता मिल जाए। किंतु प्रकृति का नियम है कि हर बड़ी उपलब्धि के पीछे लंबे समय तक किया गया श्रम और अनुशासन छिपा होता है। किसान बीज बोने के बाद प्रतिदिन उसकी देखभाल करता है। वह जानता है कि फसल एक दिन में नहीं उगेगी,परंतु यदि उसका प्रयास निरंतर रहेगा तो एक दिन खेत अवश्य लहलहाएगा। यही नियम मनुष्य के जीवन पर भी लागू होता है।

महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन ने बिजली के बल्ब का आविष्कार करने से पहले हजारों बार असफलताएँ झेली थीं। जब उनसे पूछा गया कि वे हजार बार असफल कैसे हुए,तब उन्होंने कहा कि:-

मैं असफल नहीं हुआ,मैंने केवल
हजार ऐसे तरीके खोजे
जो काम नहीं करते।

यह कथन हमें सिखाता है कि असफलता अंत नहीं होती,बल्कि सफलता की ओर बढ़ने का एक चरण होती है। यदि मनुष्य हर असफलता के बाद पुनः प्रयास करता रहे, तो अंततः सफलता उसके कदम चूमती है।

इसी प्रकार महात्मा गांधी ने भी सत्य और अहिंसा के मार्ग पर निरंतर संघर्ष करते हुए भारत को स्वतंत्रता दिलाई। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि दृढ़ संकल्प और सतत प्रयास किसी भी बड़ी शक्ति को झुका सकते हैं। गांधीजी का प्रसिद्ध कथन हैः-

यह कथन केवल राजनीतिक संघर्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लागू होता है। जब कोई व्यक्ति किसी लक्ष्य के लिए लगातार मेहनत करता है, तो प्रारंभ में लोग उसका उपहास उड़ाते हैं, किंतु अंततः वही व्यक्ति समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है।

भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान वैज्ञानिक ए.पी.जे.अब्दुल कलाम का जीवन भी छोटे-छोटे प्रयासों की महान कहानी है। साधारण परिवार में जन्म लेने वाले कलाम साहब ने कठिन परिस्थितियों में समाचार पत्र बाँटे, पढ़ाई की और अपने सपनों को कभी मरने नहीं दिया। निरंतर परिश्रम और अनुशासन के बल पर वे मिसाइल मैन कहलाए और देश के सर्वोच्च पद तक पहुँचे। उन्होंने कहा थाः-

सपना वह नहीं जो आप सोते

समय देखते हैं,सपना वह है
जो आपको सोने न दे।

उनका यह विचार युवाओं को निरंतर प्रयास और लक्ष्य के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। केवल सपना देखने से सफलता नहीं मिलती,बल्कि उसके लिए प्रतिदिन कर्म करना पड़ता है।

जीवन में सफलता पाने के लिए सबसे आवश्यक है एक स्पष्ट लक्ष्य। बिना लक्ष्य के प्रयास दिशाहीन हो जाते हैं। जिस प्रकार नाविक बिना दिशा के समुद्र में भटक जाता है,उसी प्रकार लक्ष्यहीन मनुष्य भी अपने जीवन की ऊर्जा व्यर्थ कर देता है। यदि मनुष्य एक निश्चित लक्ष्य तय कर ले और उस दिशा में प्रतिदिन थोड़ा-थोड़ा कार्य करता रहे, तो धीरे-धीरे सफलता उसके निकट आने लगती है।

इतिहास गवाह है कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को आत्मविश्वास और निरंतर कर्म का संदेश दिया था। उनका प्रसिद्ध वाक्यः-

उठो,जागो और तब तक मत
रुको जब तक लक्ष्य की
प्राप्ति न हो जाए।

यह केवल प्रेरणादायक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन का मूल मंत्र है। मनुष्य को कठिनाइयों,आलोचनाओं और असफलताओं से घबराना नहीं चाहिए। निरंतर आगे बढ़ते रहना ही सफलता का मार्ग है।

प्रकृति भी हमें यही शिक्षा देती है। नदी पर्वतों से टकराकर रुकती नहीं,बल्कि अपना मार्ग स्वयं बना लेती है।चींटी बार-बार गिरने के बाद भी दीवार पर चढ़ने का प्रयास करती रहती है।सूर्य प्रतिदिन उगता है और अंधकार को दूर करता है। संसार का प्रत्येक जीव अपने सतत कर्म से जीवन का संतुलन बनाए रखता है। मनुष्य यदि प्रकृति से यह सीख ले ले कि निरंतरता ही सफलता का रहस्य है,तो उसका जीवन बदल सकता है।

आज अनेक विद्यार्थी, युवा और कर्मचारी थोड़ी असफलता मिलते ही निराश हो जाते हैं। वे सोचते हैं कि शायद सफलता उनके भाग्य में नहीं है। जबकि सत्य यह है कि सफलता भाग्य से अधिक परिश्रम और निरंतरता पर निर्भर करती है। भाग्य अवसर दे सकता है,किंतु उस अवसर को उपलब्धि में बदलने का कार्य केवल परिश्रम करता है।नेल्सन मंडेला ने 27 वर्षों तक जेल में रहने के बाद भी अपने संघर्ष को नहीं छोड़ा। अंततः वही व्यक्ति दक्षिण अफ्रीका का राष्ट्रपति बना और विश्वभर में मानवाधिकारों का प्रतीक बन गया। उन्होंने कहा थाः-

मैं कभी नहीं हारता। या तो
जीतता हूँ या सीखता हूँ।

यह विचार मनुष्य को हर परिस्थिति में सकारात्मक बने रहने की प्रेरणा देता है। वास्तव में बड़ी सफलता कोई कठिन कार्य नहीं है। आवश्यकता केवल मजबूत इच्छाशक्ति, स्पष्ट योजना, अनुशासन और निरंतर प्रयास की होती है। यदि मनुष्य प्रतिदिन अपने लक्ष्य की ओर एक छोटा कदम भी बढ़ाता रहे, तो समय के साथ वही कदम उसे महान उपलब्धियों तक पहुँचा देते हैं।

अतः यह कहना बिल्कुल उचित है कि छोटे-छोटे निरंतर प्रयास ही बड़ी सफलताओं के द्वार खोलते हैं। सफलता अचानक नहीं आती,बल्कि धीरे-धीरे हमारे प्रयासों की सीढ़ियों पर चढ़कर हमारे जीवन में प्रवेश करती है। इसलिए मनुष्य को कभी निराश नहीं होना चाहिए। कठिनाइयाँ आएँगी, असफलताएँ मिलेंगी,लोग आलोचना करेंगे, किंतु जो व्यक्ति अपने लक्ष्य पर अडिग रहता है और निरंतर कर्म करता रहता है, वही अंततः इतिहास रचता है। यही जीवन का सबसे बड़ा सत्य है।

विरासत,मेहनत और कामयाबी,अपनी कहानी खुद लिखिए

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह सहज़
हरदा,मध्यप्रदेश

आज का दौर चुनौतियों से भरा है। बेरोजगारी,महंगाई और आर्थिक असमानता ने लाखों युवाओं के सपनों को कुचल दिया है। सोशल मीडिया पर चमकती ज़िंदगियां देखकर वे अपनी किस्मत को कोसते हैं और शिकायत करते हैं कि उन्हें जन्म से न धन-दौलत मिली,न संपत्ति की विरासत। लेकिन एक साधारण सा वाक्य इस भ्रम को तोड़ता है : जिन लोगों को विरासत में पैसा नहीं मिलता,उन्हें विरासत में मेहनत मिलती है। यह संदेश न केवल प्रेरक है,बल्कि जीवन की कठोर सच्चाई को उजागर करता है। यह उन नौजवानों के लिए मशाल की तरह है जो ग़रीबी की बेड़ियों को तोड़कर अपनी और अपने परिवार की तक़दीर बदलना चाहते हैं। भारत जैसे विकासशील देश में जहां 70 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है और लाखों युवा रोजगार के लिए शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं, यह संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। विरासत का अर्थ सिर्फ़ भौतिक संपदा तक सीमित नहीं। ईश्वर ने हर व्यक्ति को अनोखी नेमतें दी हैं,मज़बूत हाथ,तेज़ दिमाग़, अटल इरादा और अंतहीन संभावनाएं। मेहनत ऐसी विरासत है जो कभी समाप्त नहीं होती। जितनी बार आप इसे आज़माते हैं,उतनी ही यह मज़बूत होती जाती है, जैसे धूप में पगड़ी की छांव बढ़ती जाती है। यह वही शक्ति है जो परिवार को ग़रीबी की दलदल से खींचकर समृद्धि के किनारे पहुंचा सकती है। इसे बोझ न समझें,बल्कि सुनहरा अवसर मानें। इतिहास इसकी गवाही देता है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का जन्म तमिलनाडु के एक गरीब मुस्लिम परिवार में हुआ। अख़बार बांटने से लेकर भारत के मिसाइल मैन और फ़िर राष्ट्रपति बनने तक का सफ़र मेहनत की मिसाल है। इसी तरह धीरूभाई अंबानी ने गुजरात की छोटी सी दुकान से रिलायंस जैसे साम्राज्य की नींव रखी। ये उदाहरण साबित करते हैं कि विरासत में मिली मेहनत किसी भी ऊंचाई को छू सकती है।

जिंदगी हर इंसान को कम से कम एक बार क़िस्मत पलटने का सुनहरा मौका जरूर देती है। चाहे आप गांव का किसान का बेटा हों,छोटे शहर की फैक्ट्री में मज़दूर या मध्यमवर्गीय परिवार से निकले छात्र। आज अगर हालात कठिन हैं, नौकरी नहीं मिल रही,पढ़ाई का खर्च न उठ पा रहा हो या पारिवारिक ज़िम्मेदारियां कंधों पर भारी पड़ रही हों, तो इसे ईश्वरीय संकेत समझें। अब जागने का समय है। इस अवसर को गंवाना न केवल व्यक्तिगत हार होगी,बल्कि आने वाली पीढ़ियों से बेईमानी होगी। एक किसान बीज बोता है,जो कल हरे-भरे खेत बन जाता है। ठीक वैसे ही आपकी आज की मेहनत कल आपके बच्चों की मजबूत नींव बनेगी। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के आंकड़ों के अनुसार भारत में 4 करोड़ से अधिक युवा बेरोज़गार हैं। लेकिन यही युवा अगर मेहनत को अपनाएं तो देश की अर्थव्यवस्था को नई गति दे सकते हैं। कामयाबी का असली मतलब सिर्फ़ धन कमाना नहीं। यह वह ऊंचाई है जहां आपका अतीत आपके वर्तमान पर गर्व करे। इतनी मेहनत करें कि आपकी सफ़लता मोहल्ले से निकलकर शहर, राज्य और पूरे देश में गूंज उठे। ठाकरे बंधुओं ने मुंबई की गलियों से निकलकर ठाकरे ग्रूप बनाया। चीन के जैक मा ने छोटे से अपार्टमेंट से अलीबाबा जैसा वैश्विक साम्राज्य खड़ा किया। सिफ़र से शुरू होकर शिख़र छूना न केवल व्यक्तिगत विजय है, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा। यह लाखों युवाओं को संदेश देता है कि नामुमकिन कुछ नहीं। जब आप ग़रीबी से लड़ते हुए सफ़ल होते हैं, तो आप मिसाल बन जाते हैं।

हर जिंदगी एक ख़ाली किताब है। कुछ लोग दूसरों की लिखी कहानियों का हिस्सा बनकर शिकायतें करते रहते हैं। लेकिन सच्चे विजेता अपनी दास्तान ख़ुद रचते हैं। आज ही फ़ैसला लें, हालात को बदलने का संकल्प। क़लम को अपने हाथ में थामें। हर बाधा को मोड़ बनाएं। ऐसी कहानी लिखें जिसमें आप ही नायक हों, जो ग़रीबी से सल्तनत बनाए,जद्दोजहद से फ़तह हासिल करे और मेहनत से अमर नाम कमाए।

अंत में, विरासत का धन क्षणिक सुख दे सकता है, लेकिन मेहनत कको स्थायी सम्मान, पहचान और गौरव प्रदान करता है। यह कोई छीन नहीं सकता। इसलिए हिम्मत न हारें। बहाने त्यागें। मेहनत को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाएं। हर सुबह नई जंग लड़ें। ऐसी शानदार ज़िंदगी रचें जो न केवल आपको अमर कर दे, बल्कि दुनिया को लंबे समय तक याद रहे। आपकी संतानें गर्व से कहेंगी,मेरे पूर्वजों ने ख़ाली हाथों से इतिहास रचा।

जीत उसी की होती है,
जिसको हारने का डर
नहीं होता।

- अटल बिहारी वाजपेयी

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

पत्नी विवाद के बाद युवक की संदिग्ध मौत

झारखंड में मिला दाबेली संचालक का शव

- मिशन चौक का रहने वाला था अमन ओझा,हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका
- कार-ऑटो में आगजनी और मारपीट की घटना से भी जोड़कर जांच में जुटी पुलिस

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 मई 2026 (घटती-घटना)।
शहर के मिशन चौक निवासी एवं टुनटुन दाबेली दुकान संचालक अमन ओझा (34) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव रविवार को झारखंड के रंका थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-343 से लगे खुथवा मोड़ के पास बरामद किया गया। शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका जताते हुए मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार अमन ओझा मिशन चौक स्थित विशाल मेगा मार्ट के पास दाबेली की दुकान संचालित करता था।

करीब डेढ़ माह पहले वह उस समय चर्चा में आया था,जब उसने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर एक युवक पर उसकी पत्नी को भगाकर साथ रखने का आरोप लगाया था। अमन ने वीडियो में यह भी कहा था कि पत्नी और उसके कथित प्रेमी द्वारा उसे धमकियां दी जा रही हैं। उसने खुद की जान को खतरा बताते हुए शहर के हिंदू संगठनों से हस्तक्षेप की मांग भी की थी। यह मामला उस दौरान काफी चर्चित रहा और कोतवाली थाना तक पहुंचा था। हालांकि बाद में पत्नी के वापस लौट आने के बाद मामला शांत हो गया था। इधर रविवार को अमन का शव झारखंड के रंका क्षेत्र में मिलने के बाद

एक बार फिर मामला सुर्खियों में आ गया है। बताया जा रहा है कि शव के सिर पर गंभीर चोट के कई निशान मिले हैं। वहीं शरीर के निचले हिस्से से कपड़े भी गायब थे। आशंका जताई जा रही है कि युवक की कहीं और हत्या कर शव को सुनसान इलाके में फेंका गया है। रंका पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा सदर अस्पताल भेज दिया है। वहीं मृतक की बाइक रामानुजगंज क्षेत्र से बरामद होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अब युवक की अंतिम लोकेशन और उसके संपर्क में रहे लोगों की जानकारी जुटा रही है।

आगजनी और मारपीट की घटना भी जांच के घेरे में

मिशन चौक क्षेत्र में यह चर्चा भी है कि दो दिन पहले अमन ओझा ने किसी विवाद के बाद एक कार और ऑटो रिक्शा में आग लगा दी थी। इस घटना के बाद कुछ लोगों ने उसकी पिटाई भी की थी। बताया जा रहा है कि इसके बाद वह एक परिचित की बुलेट मोटरसाइकिल लेकर कहीं चला गया था। तभी से वह लापता था। अब उसकी मौत के बाद पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि आगजनी और मारपीट की घटना का हत्या से कोई संबंध तो नहीं है। पुलिस दोनों मामलों की कडियां जोडक़र जांच आगे बढ़ा रही है। इधर अमन की मौत की खबर मिलते ही परिजनों और परिचितों में शोक का माहौल है। शहर में भी घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं जारी हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म...

फर्जी अकाउंट बनाकर वायरल की आपत्तिजनक फोटो-वीडियो,आरोपी गिरफ्तार

अंबिकापुर में प्रेम संबंध के बाद युवती का शारीरिक शोषण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 मई 2026 (घटती-घटना)।
शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने और बाद में उसकी आपत्तिजनक फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले आरोपी को गांधीनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाकर पीड़िता की निजी तस्वीरें पोस्ट की थीं। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने 1 मई 2026 को लटोरी चौकी में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि पतरा टोली निवासी अनोज दास से उसकी पहचान एक शादी समारोह के दौरान हुई थी। दोनों के बीच प्रेम संबंध स्थापित हो गया। इस दौरान आरोपी ने शादी का भरोसा देकर अंबिकापुर के पटपरिया स्थित किराए के मकान में कई बार शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता का आरोप है कि बाद में आरोपी ने दूसरी युवती से शादी कर ली। विरोध करने पर उसने युवती की निजी और आपत्तिजनक फोटो-वीडियो सोशल मीडिया में वायरल कर दी। आरोपी लगातार युवती पर दोबारा संबंध बनाने का दबाव भी बना रहा था। मामले में पुलिस ने अपराध क्रमांक 245/2026 दर्ज कर बीएनएस की धारा 65(1), 64(2), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67(बी) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत कार्रवाई शुरू की। विवेचना के दौरान गांधीनगर पुलिस ने 9 मई को आरोपी अनोज दास (24) निवासी सलका पतरा टोली थाना दरिमा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया। मेडिकल परीक्षण के बाद उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

इनकी रही अहम भूमिका

कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, आरक्षक अरविंद उपाध्याय, ऋषभ सिंह तथा साइबर सेल के आरक्षक अमन पुरी और रमेश रजवाड़े की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नेशनल लोक अदालत में निराकरण हुए हजारों प्रकरण

7-8 वर्षों से बिछड़ा परिवार फिर हुआ एकजुट...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 मई 2026 (घटती-घटना)।
राष्ट्र विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार तथा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश,सरगुजा अंबिकापुर के मार्गदर्शन में 09 मई 2026 को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय अंबिकापुर अंतर्गत सभी न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। आयोजित नेशनल लोक अदालत के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय तथा सीतापुर न्यायालय में लगभग साढ़े तीन हजार लंबित प्रकरणों का निराकरण किया गया। वहीं राजस्व न्यायालयों में तेरह हजार से अधिक प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण हुआ। किशोर न्याय बोर्ड के 07 एवं परिवार न्यायालय के 18 प्रकरणों का आपसी राजीनामा के आधार पर निपटारा किया गया। इसके अतिरिक्त प्री-लिटिगेशन मामलों का भी आपसी सहमति से निराकरण किया गया। नेशनल लोक अदालत के दौरान परिवार न्यायालय सरगुजा के समक्ष लंबित एक विशेष प्रकरण में भावनात्मक और प्रेरणादायक परिणाम सामने

आया। सामाजिक रीति-रिवाज से विवाह कर चुके दम्पत्ति, जिनकी तीन संतानें हैं,आपसी मतभेदों के कारण पिछले 7-8 वर्षों से अलग-अलग रह रहे थे तथा परिवार न्यायालय में विवाह विच्छेद (तलाक) का प्रकरण लंबित था। नेशनल लोक अदालत के माध्यम से दोनों पक्षों के बीच आपसी संवाद एवं समझाइश के बाद मतभेद समाप्त हुए और दम्पत्ति ने पुनः साथ रहकर दाम्पत्य जीवन निर्वहन करने की सहमति व्यक्त की। दोनों ने खुशी-खुशी अपने विवाह विच्छेद प्रकरण का आपसी सहमति से निराकरण कराया। इस प्रकार नेशनल लोक अदालत केवल प्रकरणों के त्वरित निराकरण का माध्यम ही नहीं बनी,बल्कि एक बिखरे परिवार को पुनः जोड़कर उनके जीवन में खुशियां लौटाने का संवेदनशील एवं प्रेरणादायक उदाहरण भी प्रस्तुत किया।

गुरुदेव टैगोर की जयंती पर सजी सांस्कृतिक संध्या

बंग समाज कल्याण समिति के आयोजन में रविंद्र संगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 मई 2026 (घटती-घटना)।
रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर नेताजी बंग समाज कल्याण समिति द्वारा मधुर मिलन, भगवानपुर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुदेव के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। तत्पश्चात अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं बैच लगाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लक्ष्मी राजवाड़े, महिला एवं बाल विकास मंत्री,छत्तीसगढ़ शासन ने गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की कविताओं के अंश मूल बांग्ला भाषा में प्रस्तुत करते हुए उनके साहित्य,रचनाओं एवं बंगाली समाज की सांस्कृतिक परंपराओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज द्वारा संस्कृति संरक्षण के प्रयासों की सराहना की। विशिष्ट अतिथि चिंतामणि महाराज सांसद ने बांग्ला भाषा में सभी को गुरुदेव जयंती की शुभकामनाएं देते हुए टैगोर के जीवन,राष्ट्रगान की रचना, नोबेल पुरस्कार,गीतांजलि एवं अन्य साहित्यिक कृतियों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने सनातन परंपरा में बंगाली समाज की समर्पित भूमिका की प्रशंसा की। समिति के अध्यक्ष दिलीप धर ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बंगाली समाज की गौरवशाली परंपरा,भाषा,साहित्य एवं कला के संरक्षण और संवर्धन पर बल दिया। उन्होंने कहा कि गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के आदर्शों एवं रचनाओं का अध्ययन समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर कुलदीप सिंह कथुर ने शांति निकेतन में अध्ययन के अनुभव साझा किए। दिलीप कुमार विश्वास ने गुरुदेव के बचपन, परिवार, नोबेल पुरस्कार एवं राष्ट्रगान की रचना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रस्तुत कीं। गोसाई ने समाज में एकता एवं शिक्षा के क्षेत्र में गुरुदेव के विचारों को अपनाने की आवश्यकता बताई। शिल्पा पांडे ने महिला शिक्षा एवं टैगोर के विचारों पर अपने विचार व्यक्त किए। वहीं नूतन विश्वास ने कहा कि रविंद्र संगीत प्रत्येक घर तक पहुंचना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन सुनीता दास एवं लिली बसुराय ने किया। उपस्थित अतिथियों एवं कलाकारों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आद्या महिला बंग की अध्यक्ष, समाज की अन्य सदस्य,श्रुति मुखर्जी,अंजू सरकार सहित कृष्ण मंडल,गौरांग मंडल, सुनील विश्वास,विजय अधिकारी,श्यामल समद्दार,धीरज मंडल,गणेश मंडल,सुभाष नंदी,कल्पना दास,तरुण बनीक,सुजीत कुमार सुतार, निरंजन विश्वास, विजय राय, सुदामा सरकार,आशीष शील,दीपेश धर,राकेश गुहा, कार्तिक माझी,संजीत मंडल उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की आकर्षक प्रस्तुति

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिमांगी त्रिपाठी, भानु प्रकाश मुखर्जी,जय किशन विश्वास, मोनालिका सोनी,सीमा खानवलकर, शिल्पी,अनुकूल समद्दार,सीमा अधिकारी, संचित रानी धर,इशिता पाल,आतिशी मुखर्जी एवं पावी हालदार ने रविंद्र संगीत एवं गीतांजलि की कविताओं का पाठ प्रस्तुत किया। रविंद्र संगीत की धुन पर सामूहिक एवं एकल नृत्य प्रस्तुतियों में प्रगति विश्वास,प्रतीक विश्वास,खुशी सरकार,पूनम हालदार,अंकित विश्वास, बबली मजूमदार एवं निधिवी समूह ने आकर्षक प्रस्तुति दी।

साइड लेने के विवाद में खूनी झड़प,चाकू और डंडे से हमला,कई युवक घायल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 मई 2026 (घटती-घटना)।

शहर के रानी तालाब मार्ग स्थित प्रकाश हॉस्पिटल के सामने 9 मई की रात साइड देने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आधा दर्जन से अधिक बदमाशों ने युवकों पर डंडे और चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घटना में कई युवक घायल हुए हैं। अस्पताल के सामने अचानक हुए इस उत्पात से मरीजों और उनके परिजनों में दहशत का माहौल बन गया। पीड़ित भूमिंदर साहू ने बताया कि मामूली विवाद के बाद आरोपियों ने पहले स्टिक और डंडों से हमला शुरू किया। इसी दौरान उसके छोटे भाई को बीच-बचाव के लिए बुलाया गया, लेकिन बदमाशों ने उस पर भी चाकू से वार कर दिया। हमला इतना अचानक और आक्रामक था कि जान बचाने के लिए युवक इधर-उधर भागते रहे, लेकिन आरोपियों ने दौड़ाकर उनकी पिटाई की। घायलों का कहना है कि घटना के बाद जब वे शिकायत दर्ज कराने कोतवाली थाना पहुंचे तो पुलिस ने मामला मणिपुर थाना क्षेत्र का बताते हुए वहां जाने की सलाह दी। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने में तत्परता नहीं दिखाई, जिससे लोगों में नाराजगी है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अज्ञात स्कॉर्पियो की टक्कर से युवक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 मई 2026 (घटती-घटना)।
बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम बिसरपानी निवासी राजकुमार पहाड़ी कोरवा (18) बरगीडीह में रहकर ट्रैक्टर चलाने का काम करता था। शनिवार को वह बाइक से एक अन्य युवक के साथ कहीं जा रहा था। इसी दौरान बरगीडीह के पास अज्ञात स्कॉर्पियो वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। राजकुमार को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं दूसरे घायल युवक का इलाज जारी है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

सड़क सुरक्षा और नशामुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

यातायात नियमों के पालन और नशे से दूर रहने का दिया संदेश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 मई 2026 (घटती-घटना)।
सीआईसी प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस शाखा बनारस चौक शाखा में सडक़ सुरक्षा, नशामुक्ति एवं व्यक्तित्व विकास विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों, कर्मचारियों और बीमा सलाहकारों को यातायात नियमों एवं नशामुक्त जीवनशैली के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अभय तिवारी एवं विशिष्ट अतिथि मंगल पाण्डेय उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत शाखा के अधिकारियों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया

गया। शाखा प्रबंधक संतोष सोनी ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए कहा कि सडक़ सुरक्षा और नशामुक्त समाज की दिशा में जागरूकता बेहद जरूरी है। उपनिरीक्षक अभय तिवारी ने सडक़ दुर्घटनाओं के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि यातायात नियमों की अनदेखी हादसों का बड़ा कारण बन रही है। उन्होंने हेलमेट, सीट बेल्ट और निर्धारित गति सीमा का पालन करने की अपील की। साथ ही कहा कि हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह स्वयं नियमों का पालन करे और दूसरों को भी जागरूक करे।

विशिष्ट अतिथि मंगल पाण्डेय ने कहा कि नशे की हालत में वाहन चलाना दुर्घटनाओं की प्रमुख वजहों में शामिल है। उन्होंने नशे के दुष्प्रभाव, इसकी लत लगने के कारण और इससे होने वाली सामाजिक व पारिवारिक हानियों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सरगुजा पुलिस एवं सामाजिक संगठनों के संयुक्त प्रयास से संचालित नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान की गतिविधियों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में व्यक्तित्व विकास पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि अनुशासित जीवनशैली,यातायात नियमों का पालन और नशामुक्त रहन-सहन व्यक्ति के व्यक्तित्व को बेहतर बनाते हैं।

कार्यक्रम को सफल बनाने में संतोष सोनी, सौरभ गुप्ता, अजय गुप्ता,अनमोल सोनी,भीमशंकर तिवारी,महेश गुप्ता, शिखा मंडल,सौरभ ठाकुर,दीपाली,चंदना देवांगन,अशोक पन्ना सहित शाखा के अधिकारियों एवं बीमा सलाहकारों का योगदान रहा।

लुण्ड्रा में मिली दुर्लभ ताड़पत्र पांडुलिपियां

78 वर्षीय साधु शाह वर्षों से कर रहे संरक्षण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 मई 2026 (घटती-घटना)।
पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान के अंतर्गत लुण्ड्रा विकासखंड की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रीति भगत की सूचना पर सर्वेक्षण दल ग्राम दोरना पहुंचा, जहां पांडुलिपि संरक्षक 78 वर्षीय साधु शाह के निवास पर दुर्लभ ताड़पत्र पांडुलिपियों का संग्रह मिला। सर्वेक्षण टीम ने साधु शाह को पांडुलिपि संरक्षण योजना की जानकारी देते हुए पांडुलिपियां दिखाने का आग्रह किया। इस दौरान उन्होंने अपने पूजाघर में सुरक्षित रखी पांडुलिपियों के दो बड़े बंडल प्रस्तुत

किए। इनमें एक बंडल कार्तिक महात्म्य तथा दूसरा रामायण के बालकाण्ड एवं अयोध्या कांड से संबंधित था। साधु शाह ने बताया कि उनके पिता स्वर्गीय वृंदावन शाह इन पांडुलिपियों का नियमित पाठ किया करते थे। उन्होंने यह भी बताया कि ताड़पत्र पांडुलिपियों की विशेषता यह है कि इनमें स्याही का प्रयोग नहीं किया जाता। अक्षरों को लोहे की नुकीली कलम से ताड़पत्र पर उकेरा जाता है, जिससे लेखन लंबे समय तक सुरक्षित बना रहता है। उन्होंने बताया कि पांडुलिपियां अत्यंत पुरानी होने के कारण अब धूमिल हो चुकी हैं। पढ़ने के समय धुंधले अक्षरों पर हल्दी मल देने से अक्षर पुनः स्पष्ट दिखाई देने लगते हैं। साधु शाह के पास वैद्यकी से संबंधित कई महत्वपूर्ण पांडुलिपियां भी थीं, जिन्हें सुरक्षा के अभाव में दीमकों ने नष्ट कर दिया। उल्लेखनीय है कि साधु शाह स्वयं भी पारंपरिक वैद्य हैं।

गर्भवती महिला समेत दो की मौत सडक़ हादसे में युवक ने तोड़ा दम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 मई 2026 (घटती-घटना)।
मेडिकल कॉलेज अस्पताल में शनिवार और रविवार को तीन अलग-अलग मामलों में गर्भवती महिला, किशोरी और सडक़ हादसे में घायल युवक की मौत हो गई। पुलिस ने सभी मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बलरामपुर जिले के अमरावतीपुर निवासी सोनामति गोड़ (35) चार माह की गर्भवती थी। शनिवार को अचानक उसके पेट में तेज दर्द शुरू हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए चलगली अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने बलरामपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बलरामपुर से भी स्थिति गंभीर बताकर उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। यहां जांच के दौरान डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत के बाद परिजनों में शोक का माहौल है। रायगढ़ जिले के कापू क्षेत्र निवासी बुधवंती पंडो (15) ने अज्ञात कारण से कीटनाशक का सेवन कर लिया था। हालत बिगडऩे पर परिजन उसे कापू अस्पताल ले गए। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर किया गया। यहां इलाज के दौरान किशोरी की मौत हो गई।

आईजी के दौरे के बाद जागी पुलिस

मनेन्द्रगढ़ के जुआ फड़ पर दबिश से मचा हड़कंप

जुआ फड़ पर पुलिस की रेड या प्रायोजित नौटंकी? कार्रवाई से ज्यादा सवालों की चर्चा

- पूर्व पार्षद समेत कई नामचीन जुआरी गिरफ्तार,लेकिन मुख्य सरगना अब भी फरार
- देर से जागी पुलिस या दबाव की कार्रवाई? मनेन्द्रगढ़ की रेड पर उठ रहे बड़े सवाल
- अंतर्राज्यीय जुआ फड़ पर दबिश, मगर वाहन और मोबाइल गायब... पुलिसिया कार्रवाई कटघरे में
- आईजी की सख्ती के बाद दिखी सक्रियता,वर्षों से चल रहे जुआ कारोबार पर आखिरकार कार्रवाई
- थाने के पीछे से एंट्री,प्रेस नोट में देरी...आखिर क्या छिपा रही थी पुलिस?

जुआरियों पर रेड से ज्यादा चर्चा पुलिस की 'सेटिंग वाली कार्रवाई' की

मनेन्द्रगढ़ में जुआ फड़ ध्वस्त या सिर्फ दिखावटी कार्रवाई? जिले में तेज हुई चर्चाएं

सड़क किनारे जुआ फड़ पर दबिश,शहर के चर्चित होटल तक कब पहुंचेगी पुलिस?

एमसीबी में सरगुजा आईजी के दौरे का दिखा असर,2 दिन बाद जुए पर बड़ी कार्रवाई

मनेन्द्रगढ,09 मइं 2026(घटती-घटना)। मनेन्द्रगढ में पुलिस ने जुए के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कई लोगों को गिरफ्तार किया है, कार्रवाई के दौरान बैकुंठपुर के एक चर्चित पार्षद भी पुलिस गिरफ्त में आए, जिन्हें लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार संबंधित पार्षद को भविष्य में नपा अध्यक्ष पद का दावेदार माना जा रहा था, लेकिन जुए की कार्रवाई में नाम सामने आने के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है, बताया जा रहा है कि सरगुजा आईजी के हालिया दौरे के बाद पुलिस लगातार एक्शन मोड में है और अवैध गतिविधियों पर सख्ती बढ़ाई गई है, मनेन्द्रगढ़ की इस कार्रवाई को भी उसी कड़ी से जोड़कर देखा जा रहा है, अब सवाल यह भी उठ रहे हैं कि क्या आने वाले दिनों में जिलेभर में ऐसे और बड़े एक्शन देखने को मिलेंगे?

-रवि सिंह-
मनेंद्रगढ़,10 मई 2026
(घटती-घटना)।

एमसीबी जिले में अवैध कारोबारों की चर्चा कोई नई बात नहीं है,जिले में कब कौन सा कारोबार किसके संरक्षण में फल-फूल रहा है और किसे कब कार्रवाई का'प्रसाद' मिलेगा, यह अक्सर ऊपर से आने वाले दबाव और दौरे तय करते हैं,इस बार मामला जुए के बड़े फड़ का है,जहां पुलिस ने दबिश देकर छह जुआरियों को गिरफ्तार किया है, लेकिन इस कार्रवाई से ज्यादा चर्चा इस बात की हो रही है कि आखिर इतने लंबे समय से चल रहे इस कथित अंतर्राज्यीय जुआ कारोबार को पुलिस आखिर अब तक देख क्यों नहीं पाई थी?

जिले में पिछले कई महीनों से खबरें उठ रही थीं कि मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र में बड़े स्तर पर जुआ फड़ संचालित हो रहा है,बताया जाता रहा कि यहां केवल स्थानीय खिलाड़ी नहीं बल्कि कोरिया,एमसीबी,सरगुजा और पड़ोसी मध्यप्रदेश तक के लोग पहुंचते थे, रकम छोटी-मोटी नहीं बल्कि लाखों में घूमती थी,इसके बावजूद स्थानीय पुलिस की आंखें बंद रहीं, फिर अचानक सरगुजा रेंज के आईजी दीपक झा का दौरा हुआ,अवैध कारोबारों पर सख्ती की बातें हुई और उसके कुछ ही दिनों बाद पुलिस ने जुआ फड़ पर दबिश दे दी,अब सवाल यह है कि क्या जुआ फड़ आईजी के दौरे के बाद शुरू हुआ था? या फिर कार्रवाई केवल यह दिखाने के लिए हुई कि 'देखिए साहब, हम काम कर रहे हैं'?

पकड़े गए वेहरे छोटे नहीं,राजनीति और रसूख से जुड़े लोग भी शामिल

इस कार्रवाई में जो नाम सामने आए हैं,उनमें कोरिया जिले के बैकुंठपुर नगर पालिका का एक पूर्व पार्षद भी शामिल बताया जा रहा है,चर्चा यह भी है कि वह केवल खिलाड़ी नहीं बल्कि फाइनेंसर की भूमिका में था,हारने वालों को मौके पर रकम उपलब्ध कराना,ब्याज पर पैसा देना और खेल को जारी रखना—ये सब बातें स्थानीय स्तर पर चर्चा में हैं, अब सवाल यह उठता है कि क्या इतने प्रभावशाली लोग बिना किसी संरक्षण के खुलेआम सड़क किनारे जुआ खेल सकते थे? स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई छोटा-मोटा ताश का खेल नहीं था,यहां आने वालों में कारोबारी,रसूखदार और राजनीतिक संपर्क रखने वाले लोग भी शामिल रहते थे। ऐसे में पुलिस को इसकी भनक न होना अपने आप में बड़ा प्रश्न है।

कार्रवाई हुई...लेकिन समय ऐसा चुना गया कि सवाल खुद पैदा हो गए...

पुलिस की एफआईआर के अनुसार कार्रवाई शाम के समय की गई और छह लोगों को गिरफ्तार कर लगभग 1 लाख 20 हजार रुपये नकद जब्त किए गए,लेकिन स्थानीय लोगों और सूत्रों की मानें तो जिस फड़ पर पुलिस ने दबिश दी,वहां असली खेल शाम ढलने के बाद शुरू होता था,बताया जाता है कि 3 से 4 बजे के बीच जुआरियों का जुटना शुरू होता था,लेकिन बड़ी बाजियां 7 से 8 बजे के बीच लगती थीं,ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि पुलिस ने इतनी जल्दीबाजी क्यों दिखाई? यदि पुलिस वास्तव में पूरे नेटवर्क को पकड़ना चाहती,तो क्या कार्रवाई थोड़ी देर बाद नहीं हो सकती थी? क्या पुलिस को यह डर था कि देर होने पर'बड़े चेहरे' पकड़े जाएंगे? या फिर कहीं ऐसा तो नहीं कि पहले ही सूचना देकर'संख्या नियंत्रित' कर दी गई? कार्रवाई का समय ही पूरे मामले को संदेह के घेरे में खड़ा कर रहा है।

अंतर्राज्यीय जुआ फड़...लेकिन पुलिस को वाहन और मोबाइल नहीं मिले!

एफआईआर में यह उल्लेख जरूर है कि आरोपी अलग-अलग जिलों और यहां तक कि दूसरे राज्य से भी आए थे,अब सामान्य समझ का सवाल है–क्या ये लोग पैदल पहुंचे थे? यदि लोग 50 से 100 किलोमीटर दूर से जुआ खेलने पहुंचे थे, तो निश्चित रूप से वे दोपहिया या चारपहिया वाहनों से आए होंगे,मोबाइल फोन भी उनके पास रहे होंगे,लेकिन पुलिस की कार्रवाई में न वाहन जब्ती का जिक्र है, न मोबाइल का, यहीं से लोगों के बीच यह चर्चा तेज हो गई कि कार्रवाई 'सीमित' रखी गई,जितना दिखाना जरूरी था उतना दिखाया गया,बाकी चीजों को नजरअंदाज कर दिया गया,यदि पुलिस चाहती तो वाहनों के जरिए पूरे नेटवर्क की कड़ियां सामने आ सकती थीं,मोबाइल जब्ती होती तो कॉल डिटेल से यह भी स्पष्ट हो सकता था कि कौन किसे सूचना देता था,कौन फड़ संचालित करता था और किन लोगों का संरक्षण प्राप्त था, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ।

थाने के पीछे से एंट्री... आखिर क्या छिपाना था?

पूरे मामले में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की हो रही है कि पकड़े गए जुआरियों को थाने के मुख्य द्वार से नहीं बल्कि पीछे की ओर से लाया गया,सूत्र बताते हैं कि जिस रास्ते से आरोपियों को अंदर लाया गया वहां सीसीटीवी कैमरों की निगरानी कम थी,अब लोग पूछ रहे हैं कि आखिर यह 'विशेष व्यवस्था' क्यों की गई? क्या पुलिस नहीं चाहती थी कि आरोपियों की स्पष्ट तस्वीरें सामने आएं? क्या किसी प्रभावशाली चेहरे की पहचान छिपाने की कोशिश थी? या फिर यह सब केवल संयोग था? जवाब भले न मिले हों,लेकिन सवाल बहुत तेजी से फैल चुके हैं।

मोहन नाम का 'सरगना' आखिर कैसे बच निकला?

स्थानीय चर्चाओं में एक नाम सबसे ज्यादा लिया जा रहा है—मोहन, बताया जा रहा है कि वही पूरे फड़ का मुख्य संचालक था,लेकिन पुलिस कार्रवाई के दौरान वह फरार हो गया,अब यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब पुलिस को इतनी सटीक सूचना थी, तो मुख्य व्यक्ति कैसे निकल गया? क्या उसे पहले से भनक मिल गई थी? क्या कार्रवाई शुरू होने से पहले किसी ने सूचना पहुंचाई? या फिर पुलिस केवल छोटे और मध्यम स्तर के खिलाड़ियों तक सीमित रहना चाहती थी? यदि मुख्य संचालक ही बच निकले तो कार्रवाई की गंभीरता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

मनेन्द्रगढ़ का चर्चित होटल और 'सीसीटीवी सुरक्षा कवच'

स्थानीय स्तर पर एक और चर्चा लंबे समय से चल रही है की शहर के बीचोंबीच स्थित एक प्रसिद्ध होटल में बड़े स्तर पर जुआ संचालन,बताया जाता है कि वहां प्रवेश और निकास पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों की मजबूत व्यवस्था है, किसी भी अनजान गतिविधि की सूचना तुरंत अंदर पहुंचा दी जाती है, लोग व्यंग्य में कहते हैं कि उस होटल की सुरक्षा व्यवस्था किसी बैंक से कम नहीं है,फर्क सिर्फ इतना है कि वहां नकदी का लेन-देन 'मनोरंजन' के नाम पर होता है,अब सवाल उठ रहा है कि क्या पुलिस कभी उस होटल तक भी पहुंचेगी? या फिर सड़क किनारे दबिश देकर ही 'जुआ विरोधी अभियान' पूरा मान लिया जाएगा?

आईजी के डर से कार्रवाई या सचमुच अपराध के खिलाफ अभियान?

पूरे घटनाक्रम को लेकर जिले में दो तरह की राय चल रही है,पहली राय यह है कि सरगुजा आईजी दीपक झा के सख्त रुख के कारण स्थानीय पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी, लंबे समय से चल रहे कारोबार पर आखिरकार दबिश पड़ी और यह संदेश गया कि ऊपर तक शिकायत पहुंचने पर कार्रवाई संभव है, दूसरी राय इससे बिल्कुल अलग है,लोग कह रहे हैं कि यह पूरी कार्रवाई 'प्रायोजित प्रदर्शन' जैसी थी—इतनी कि साहब को रिपोर्ट भेजी जा सके, लेकिन इतनी नहीं कि पूरे नेटवर्क की जड़ें हिल जाएं, यही कारण है कि लोग अब केवल गिरफ्तारियों से संतुष्ट नहीं हैं, वे यह देखना चाहते हैं कि क्या पुलिस आगे बढ़कर मुख्य संचालकों तक पहुंचेगी, क्या संरक्षण देने वालों की भूमिका सामने आएगी और क्या बड़े ठिकानों पर भी दबिश होगी।

जिले में अवैध कारोबारों पर सवाल बरकरार

एमसीबी जिले में जुआ, सट्टा, अवैध शराब और दूसरे कारोबारों को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं, कार्रवाई भी होती है, लेकिन अक्सर छोटे स्तर तक सीमित रह जाती है, बड़े नेटवर्क पर हाथ डालने से पहले ही मामला ठंडा पड़ जाता है, इस बार भी लोगों की नजरें पुलिस पर हैं, क्या यह कार्रवाई वास्तव में एक शुरुआत है? क्या आगे और बड़े नाम सामने आएंगे? क्या फरार सरगना गिरफ्तार होगा? क्या होटलों और कथित सुरक्षित ठिकानों तक पुलिस पहुंचेगी? या फिर कुछ दिनों बाद मामला पुरानी फाइलों की तरह शांत हो जाएगा? फिलहाल जिले में यही चर्चा है कि जुआ फड़ पर पड़ी यह दबिश केवल पुलिस कार्रवाई नहीं, बल्कि पुलिस व्यवस्था की परीक्षा भी है।

उक्त कार्यवाही में ये रहे शामिल

निरीक्षक विवेक पाटले, थाना प्रभारी मनेन्द्रगढ़,प्रधान आरक्षक पुष्कल सिन्हा (सायबर सेल),प्रधान आरक्षक प्रिन्स,प्रधान आरक्षक सुनील रजक,प्रधान आरक्षक रवि शर्मा,आरक्षक उत्तरा कश्यप, आरक्षक भूपेंद्र यादव (सायबर सेल),आरक्षक प्रमोद यादव (सायबर सेल), आरक्षक जितेन्द्र ठाकुर (सायबर सेल),आरक्षक दीप तिवारी (सायबर सेल),सचिन खुरसेल,चालक नोहर सिंह, चालक रोशन राव, सैनिक विनीत सोनी की सराहनीय भूमिका रही।

गिरफ्तार आरोपी

- नीलेश सोनी - निवासी कोतमा जिला अनुपपुर (म.प्र.)
- आफताब अहमद - निवासी बैकुण्ठपुर जिला कोरिया
- राकेश सेन - निवासी चिरमिरी जिला एमसीबी
- हरदीप सिंह - निवासी चिरमिरी
- श्रवण कुमार जायसवाल - निवासी मनेन्द्रगढ़
- आलोक कुमार केंवट - निवासी मनेन्द्रगढ़

सरगुजा पुलिस की नई पहल : हर रविवार होगा ऑनलाइन प्रशिक्षण,विशेषज्ञ देंगे मार्गदर्शन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 मई 2026
(घटती-घटना)।

पुलिस उप महानिरीक्षक सरगुजा के निर्देशानुसार जिले की पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी एवं बेहतर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसके तहत प्रत्येक रविवार को दो घंटे का विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा, जिसमें जिले के अधिक से अधिक अधिकारी एवं कर्मचारी ऑनलाइन जुड़कर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। जानकारी के अनुसार प्रत्येक रविवार को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक प्रशिक्षण सत्र आयोजित होगा। प्रशिक्षण में पुलिसिंग, न्यायालयीन प्रक्रिया तथा कानून व्यवस्था से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी नगर पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर राहुल बंसल (भा.पु.से.) को बनाया गया है। आवश्यकता अनुसार विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ एवं अतिथि प्रशिक्षक भी प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होंगे। रविवार 10 मई 2026 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिकायतकर्ता के साथ व्यवहार, शिकायतों पर कार्रवाई की प्रक्रिया, अपराध पंजीबद्ध करने एवं प्रारंभिक जांच से संबंधित नियमों, अपराध में उचित धाराएं लगाने तथा विवरण लेखन जैसे विषयों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सीसीटीवी फुटेज देखने, DVR/NVR सिस्टम की कार्यप्रणाली समझने और थानों में तकनीकी उपयोग को बेहतर बनाने के निर्देश भी दिए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के थाना प्रभारी सहित विभिन्न कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारी ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर प्रशिक्षण प्राप्त किए। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि इस पहल से पुलिसिंग की गुणवत्ता में सुधार आएगा तथा शिकायतों के निराकरण और अपराध जांच में और अधिक पारदर्शिता एवं दक्षता बढ़ेगी।

ग्राम पंचायत खरसोता में श्रमदान के साथ खेला गया सद्भावना क्रिकेट मैच,पंचायत विभाग ने दर्ज की जीत

-संवाददाता-
जशपुरनगर,10 मई 2026 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जिलेभर में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत ग्राम पंचायत खरसोता में स्वच्छता, जनभागीदारी और आपसी समन्वय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम एवं सद्भावना क्रिकेट मैच का आयोजन आकर्षण का केंद्र रहा। ग्राम पंचायत खरसोता में आयोजित स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मनोरा, विकासखंड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी, ग्राम पंचायत के सरपंच, पंचगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए। सभी ने सामूहिक रूप से गांव में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। श्रमदान के माध्यम से सार्वजनिक स्थलों की सफाई की गई तथा ग्रामीणों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया।अधिकारियों ने कहा कि सुशासन तिहार केवल समस्याओं के निराकरण का अभियान नहीं, बल्कि जनसहभागिता और सामाजिक जागरूकता को मजबूत करने का माध्यम भी है। स्वच्छता अभियान में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से गांव में सकारात्मक वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान ग्राम खरसोता में सद्भावना क्रिकेट मैच का भी आयोजन किया गया। यह मैच पंचायत विभाग और शिक्षा विभाग की टीमों के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक खेल का प्रदर्शन किया, वहीं ग्रामीणों ने भी मैच का आनंद लेते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। रोमांचक मुकाबले में पंचायत विभाग की टीम विजेता रही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कुनकुरी क्षेत्र को दी विकास कार्यों की बड़ी सौगात

16 करोड़ 5 लाख 91 हजार रुपए के 12 विकास कार्यों का किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण

उच्च स्तरीय पुल, फल सब्जी मंडी,महतारी सदन एवं हाट निर्माण से क्षेत्रवासियों को होगा लाभ

-संवाददाता-
जशपुरनगर,10 मई 2026
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज विकासखंड कुनकुरी अंतर्गत ग्राम पंचायत कलिबा में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न जनहितैषी विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कुल 16 करोड़ 5 लाख 91 हजार रुपए की लागत से बनने और पूर्ण हुए 12 विकास कार्यों की सौगात क्षेत्रवासियों को दी। इन कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन, शिक्षा, कृषि विपणन, महिला सशक्तिकरण तथा बुनियादी सुविधाओं को नया विस्तार मिलेगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार गांव,गरीब,किसान और अंतिम व्यक्ति तक विकास की सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सड़क,पुल,स्कूल,बाजार और महिला केंद्र जैसी आधारभूत सुविधाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाएंगी। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री उपेंद्र यादव, कमिश्नर श्री नरेंद्र दुग्गा,आईजी श्री दीपक कुमार झा,कलेक्टर श्री रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि,अधिकारी कर्मचारी एवं भारी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

12 करोड़ 86 लाख रुपए से अधिक के 8 कार्यों का भूमिपूजन - मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में कुल 12 करोड़ 86 लाख 3 हजार रुपए की लागत के 8 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन बोर्ड के माध्यम से ग्राम पंचायत कलिबा में 57.66 लाख रुपए की लागत से हाट बाजार निर्माण कार्य कराया जाएगा। इसके अंतर्गत कव्हर्ड शेड,बोरवेल,यूरिनल ब्लॉक एवं सीसी रोड का निर्माण होगा। इसी प्रकार ग्राम पंचायत बेहराखार में 80.59 लाख रुपए की लागत से आधुनिक हाट बाजार निर्माण किया जाएगा। इन बाजारों के बनने से ग्रामीणों एवं किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए बेहतर और सुविधाजनक स्थान मिलेगा तथा स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। लोक निर्माण विभाग (सेतु) द्वारा कलिबा-टांगरबहार (बैगाटोली) मार्ग पर 5 करोड़ 11 लाख 6 हजार रुपए की लागत से उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण किया जाएगा। वहीं बांसपतरा-दुलदुला मार्ग पर चांपाझरिया नाला में 5 करोड़ 90 लाख 80 हजार रुपए की लागत से उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग बनाया जाएगा। इन पुलों के निर्माण से बरसात के दिनों में आवागमन सुगम होगा और ग्रामीणों को आवागमन की बड़ी राहत मिलेगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत प्राथमिक शाला कोरवाडेरा, प्राथमिक शाला डडगांव, माध्यमिक शाला बालक नारायणपुर तथा प्राथमिक शाला लालगोड़ा के नवीन भवन निर्माण कार्यों का भी भूमिपूजन किया गया। प्रत्येक स्कूल भवन पर 11.48 लाख रुपए की लागत आएगी। इन भवनों के निर्माण से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगा।

3 करोड़ 19 लाख रुपए से अधिक के 4 कार्यों का लोकार्पण - मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में कुल 3 करोड़ 19 लाख 88 हजार रुपए की लागत से पूर्ण हुए 4 विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। इसके तहत कृषि उपज मंडी समिति जशपुर द्वारा ग्राम पंचायत कंडेरा (महुआटोली) स्थित उपमंडी कुनकुरी में 2 करोड़ 45 लाख 78 हजार रुपए की लागत से निर्मित फल-सब्जी मंडी,गोदाम,प्लेटफार्म,टायलेट, पार्किंग एवं सीसी रोड का लोकार्पण किया गया। इस आधुनिक मंडी से किसानों एवं व्यापारियों को कृषि उपज के भंडारण और विपणन की बेहतर सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ढोढ़ीबहार,नारायणपुर एवं केराड़ीह में निर्मित महतारी सदनों का लोकार्पण भी किया गया। प्रत्येक महतारी सदन 24.70 लाख रुपए की लागत से निर्मित हुआ है। इन केंद्रों से महिलाओं को बैठक, प्रशिक्षण, स्व-सहायता समूह गतिविधियों एवं सामाजिक आयोजनों के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा।

तन्जरा जलाशय बदहाल

जर्जर नहरों और रिसते गेटों ने खोली विभाग की पोल

-राजन पाण्डेय-

सोनहत/कोरिया,10 मई 2026 (घटती-घटना)।

सोनहत क्षेत्र का तन्जरा जलाशय इन दिनों अपनी बदहाली को लेकर चर्चा का केंद्र बना हुआ है,कभी किसानों के लिए सिंचाई का प्रमुख सहारा माने जाने वाला यह जलाशय अब जल संसाधन विभाग की लापरवाही और कथित अनदेखी का प्रतीक बन चुका है, जिले के विभिन्न जलाशयों और नहरों की खराब स्थिति लगातार सामने आने के बाद अब तन्जरा जलाशय की तस्वीर ने विभागीय दावों की वास्तविकता उजागर कर दी है, करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई सिंचाई व्यवस्था आज किसानों के लिए राहत नहीं बल्कि नई परेशानी का कारण बनती जा रही है।

सिंचाई व्यवस्था हुई फेल! तन्जरा जलाशय में बह रहा पानी,किसान परेशान

मेंटेनेंस के नाम पर करोड़ों खर्च,फिर भी तन्जरा जलाशय खस्ताहाल...

जल संसाधन विभाग की लापरवाही,नहरें टूटीं,खेत डूबे,गेटों से बह रहा पानी...

तन्जरा जलाशय बना भ्रष्टाचार की मिसाल?किसानों ने उठाए बड़े सवाल...

जर्जर नहरें,रिसते गेट और गायब मेंटेनेंस बजट से किसानों में भारी नाराजगी

नहरें जर्जर,खेतों में तबाही

तन्जरा जलाशय से निकली नहरों की हालत बेहद खराब बताई जा रही है,कई स्थानों पर नहरों की दीवारें टूट चुकी हैं,तो कहीं बड़े-बड़े दरारों से लगातार पानी रिस रहा है,परिणामस्वरूप पानी खेतों तक नियंत्रित रूप से पहुंचने के बजाय रास्ते में ही बहकर बर्बाद हो रहा है,कई किसानों के खेतों में जरूरत से अधिक पानी भरने से फसलें खराब होने लगी हैं,ग्रामीणों का कहना है कि जिन नहरों का उद्देश्य खेतों तक सिंचाई सुविधा पहुंचाना था,वही अब किसानों के लिए नुकसान का कारण बन गई हैं,खेतों में अनियंत्रित पानी घुसने से मिट्टी कटाव, फसल सड़ने और उत्पादन घटने जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं,किसानों का आरोप है कि वर्षों से नहरों की सही मरम्मत नहीं कराई गई, जबकि कागजों में लगातार मेंटेनेंस दिखाया जाता रहा।

गेटों से लगातार बह रहा पानी

जलाशय के गेटों से लगातार हो रहा जल रिसाव विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है, बांध के गेट किसी भी जलाशय की सुरक्षा और जल नियंत्रण का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा माने जाते हैं,लेकिन तन्जरा जलाशय में यही व्यवस्था पूरी तरह कमजोर दिखाई दे रही है,स्थानीय लोगों के अनुसार कई महीनों से गेटों से पानी रिस रहा है,लेकिन विभाग ने इसे गंभीरता से नहीं लिया,विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते गेटों की तकनीकी मरम्मत नहीं कराई गई तो भविष्य में यह बड़ी दुर्घटना का कारण भी बन सकता है, लगातार जल रिसाव से न केवल पानी की भारी बर्बादी हो रही है,बल्कि सिंचाई के लिए सुरक्षित जल भंडारण भी प्रभावित हो रहा है।

आखिर कहाँ जा रहा मरम्मत का बजट?

सबसे बड़ा सवाल अब यही उठ रहा है कि जलाशयों और नहरों की मरम्मत के लिए हर साल जारी होने वाला लाखों-करोड़ों रुपये का बजट आखिर खर्च कहाँ हो रहा है,ग्रामीणों और किसानों का आरोप है कि कागजों में मरम्मत और सुधार कार्य दिखाकर बजट खर्च कर दिया जाता है,लेकिन जमीनी स्तर पर हालात जस के तस बने रहते हैं,स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि वास्तव में समय-समय पर मरम्मत कार्य कराए गए होते तो आज नहरें टूटती नहीं और गेटों से पानी नहीं बहता। किसानों ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच और तकनीकी ऑडिट कराने की मांग उठाई है।

एसी कमरों से नहीं दिखती किसानों की परेशानी

ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने विभागीय अधिकारियों पर मैदानी निरीक्षण नहीं करने का आरोप लगाया है, उनका कहना है कि अधिकारी कार्यालयों में बैठकर विकास के दावे करते हैं,लेकिन जमीनी हकीकत देखने कभी गांवों तक नहीं पहुंचते,इसी लापरवाही का परिणाम है कि सोनहत क्षेत्र के अधिकांश जलाशय और नहरें बदहाल स्थिति में पहुंच चुके हैं।

पंच संघ ने उठाई उच्च स्तरीय जांच की मांग

प्रेम सागर तिवारी ने कहा कि तन्जरा जलाशय की स्थिति केवल एक बांध की समस्या नहीं, बल्कि विभागीय कार्यप्रणाली की पोल खोलने वाला मामला है, उन्होंने मांग की कि जिले के सभी बांधों और नहरों के मरम्मत कार्यों की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि मरम्मत के नाम पर खर्च किया गया बजट आखिर कहां गया।

कांग्रेस ने दी आंदोलन की चेतावनी

अनित दुबे ने आरोप लगाया कि जल संसाधन विभाग के अधिकारी एसी कमरों में बैठकर विकास का खाका तैयार कर रहे हैं,जबकि किसान अपनी फसलें बर्बाद होते देख रहा है,उन्होंने मांग की कि पिछले तीन वर्षों में जलाशयों के मरम्मत और मेंटेनेंस कार्यों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा खर्च की पूरी जानकारी सार्वजनिक की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द सुधार कार्य शुरू नहीं हुआ तो कांग्रेस किसानों के साथ आंदोलन करेगी।

जन सहयोग समिति ने मांगी फिजिकल ऑडिट

पुषेंद्र राजवाड़े ने कहा कि सोनहत क्षेत्र के सभी जलाशयों से बहता पानी विभाग की संवेदनहीनता और भ्रष्टाचार का प्रमाण है,उन्होंने मांग की कि केवल कागजी जांच नहीं बल्कि तकनीकी टीम गठित कर सभी बांधों और नहरों की फिजिकल ऑडिट कराई जाए,साथ ही चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों के भीतर ठोस मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ तो ग्रामीणों के साथ विभागीय कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

किसानों की उम्मीदें अब प्रशासन पर टिकीं

तन्जरा जलाशय की स्थिति ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद ग्रामीण सिंचाई व्यवस्था क्यों बदहाल है,अब किसानों और ग्रामीणों की निगाहें प्रशासन और जल संसाधन विभाग पर टिकी हैं, देखना यह होगा कि विभाग इस मामले में त्वरित कार्रवाई कर व्यवस्था सुधारता है या फिर तन्जरा जलाशय और यहां के किसान यूं ही अपनी बदहाली पर आंसू बहाते रहेंगे।

ग्राम पंचायत मंगोरा में गांजे की खेती का खुलासा

खड़गवां पुलिस ने 36 नग गांजे के पौधे किए जब्त,जांच जारी

-संवाददाता-

खड़गवां,10 मई 2026 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत मंगोरा में अवैध गांजा खेती का मामला सामने आने के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है, खड़गवां पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव निवासी सर्वजीत सिंह की बाड़ी से 36 नग गांजे के पौधे बरामद किए गए हैं,सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गांजे के पौधों को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सूत्रों के अनुसार गांजे के पौधे काफी समय से लगाए गए थे और उनकी नियमित देखरेख भी की जा रही थी,बताया जा रहा है कि पौधों को खेत और आसपास के क्षेत्र में इस तरह छिपाकर लगाया गया था ताकि किसी को आसानी से संदेह न हो, लेकिन मामला उजागर होते ही पूरे गांव और आसपास के क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है,इस घटना के बाद कई सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों के बीच चर्चा है कि आखिर इतनी बड़ी मात्रा में गांजे की खेती किसके संरक्षण में चल रही थी और इतने दिनों तक प्रशासन को इसकी भनक क्यों नहीं लगी, वहीं यह आशंका भी जताई जा रही है कि क्षेत्र में गांजा खेती का कोई बड़ा नेटवर्क सक्रिय हो सकता है,पुलिस अब मामले की गहराई से जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि यह पता लगाया जा रहा है कि अवैध खेती में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा इसका नेटवर्क कहां तक फैला हुआ है,मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है,इलाके में हुई इस कार्रवाई के बाद ग्रामीणों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। वहीं पुलिस की आगे की जांच और कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं,माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं।

पटना में एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई,अवैध दवाएं बरामद

जिला स्तरीय स्वापक एवं मन : प्रभावी औषधियों के विरुद्ध चला अभियान

-संवाददाता-

पटना/कोरिया,10 मई 2026 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में स्वापक एवं मनःप्रभावी औषधियों तथा एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग के विरुद्ध जिला स्तरीय जन-जागरूकता अभियान लगातार जारी है,लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देशानुसार सही दवा-शुद्ध आहार-यही छत्तीसगढ़ का आधार थीम के अंतर्गत 27 अप्रैल से 11 मई 2026 तक 15 दिवसीय सघन जांच अभियान संचालित किया जा रहा है।

अभियान के बारहवें दिवस 08 मई को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं सहायक औषधि नियंत्रक के नेतृत्व में औषधि प्रकोष्ठ की टीम द्वारा पटना क्षेत्र में व्यापक कार्रवाई की गई। इस दौरान पटना पुलिस विभाग के साथ संयुक्त टीम बनाकर मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर तेंदुआ चौक के पास दो महिलाओं से अवैध रूप से रखी गई

औषधियां बरामद की गईं, मामले में पुलिस विभाग द्वारा एनडीपीएस एक्ट के तहत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है, अभियान के तहत पटना क्षेत्र के दवा एवं खाद्य व्यापारियों की बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में व्यापारियों को स्वापक एवं मनःप्रभावी औषधियों के दुरुपयोग,बिना चिकित्सकीय सलाह एंटीबायोटिक सेवन से होने वाले दुष्प्रभाव तथा प्रतिबंधित दवाओं के अवैध विक्रय से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई, साथ ही दवाओं का विक्रय केवल वैध चिकित्सकीय प्रिस्क्रिप्शन पर करने और रिकॉर्ड अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए,इसके अलावा एक मेडिकल स्टोर तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना के स्टोर एवं ओपीडी फार्मेसी का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान औषधियों के सुरक्षित संधारण,तापमान नियंत्रण एवं रिकॉर्ड व्यवस्था की जांच की गई,वहीं लोकल परचेज से प्राप्त दो औषधियों के नमूने गुणवत्ता परीक्षण के लिए संग्रहित किए गए, जन-जागरूकता अभियान के दौरान आमजन को नशीली दवाओं के दुष्प्रभाव, एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस तथा बिना चिकित्सकीय सलाह दवा सेवन से होने वाले खतरों के प्रति भी जागरूक किया गया।

C M Y K

केंद्र से करोड़ों की मंजूरी: फिर भी मुआवजे के लिए भटक रहे एनएच प्रभावित

एनएच परियोजना में जमीन गई, मुआवजा अब भी अधूरा

फाइलों में भुगतान पूरा,जमीन पर हितग्राही परेशान

कोरिया-MCB में एनएच मुआवजा बना उलझन, स्वीकृति के बाद भी इंतजार

मार्च में अप्रूवल, मई में भी भुगतान अधूरा

राष्ट्रीय राजमार्ग बना,लेकिन भू-स्वामियों का मुआवजा अटका

करोड़ों की राशि स्वीकृत,फिर भी कार्यालयों के चक्कर काट रहे प्रभावित

-रवि सिंह-

कोरिया/एमसीबी,10 मई 2026 (घटती-घटना)।

कोरिया और एमसीबी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना से प्रभावित सैकड़ों भू-स्वामियों के लिए मुआवजा अब सिर्फ सरकारी फाइलों का विषय बनकर रह गया है। केंद्र सरकार द्वारा मार्च माह में करोड़ों रुपये की लंबित राशि को स्वीकृति दिए जाने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि वर्षों से अटका भुगतान अब शीघ्र पूरा हो जाएगा,लेकिन जमीनी हकीकत आज भी उलझी हुई नजर आ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति यह है कि कई हितग्राही अब भी यह जानने के लिए कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं कि उनका भुगतान आखिर किस श्रेणी में लंबित है,मूल मुआवजा,संशोधित अवार्ड या फिर आर्बिट्रेशन प्रकरण, विभागीय दस्तावेजों में करोड़ों रुपये की राशि स्वीकृत और प्रक्रिया में दिखाई दे रही है, लेकिन अनेक प्रभावित परिवारों के बैंक खाते अब भी खाली हैं।

केंद्र सरकार की स्वीकृति से जगी थी उम्मीद

राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-43 (पुराना एनएच-78) के एमपीसीजी बॉर्डर से सूरजपुर सेक्शन तक सड़क चौड़ीकरण और उन्नयन कार्य के लिए केंद्र सरकार ने संशोधित लागत प्रस्ताव को मंजूरी दी,मंत्रालय स्तर से जारी स्वीकृति में भूमि अधिग्रहण मद में भारी राशि का प्रावधान भी किया गया, दस्तावेजों में यह स्पष्ट है कि परियोजना के लिए द्वितीय संशोधित लागत अनुमान को मंजूरी प्रदान की गई तथा भूमि अधिग्रहण संबंधी व्यय को बढ़ाया गया, इससे प्रभावित लोगों को उम्मीद जगी कि वर्षों से लंबित मुआवजा अब मिल सकेगा, लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि जब स्वीकृति,पत्राचार और भुगतान प्रस्ताव की प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी,तब आखिर भुगतान जमीन पर क्यों नहीं पहुंचा?

विभागीय पत्रों में बार-बार शीघ्र भुगतान का उल्लेख

दस्तावेजों में एक और महत्वपूर्ण बात सामने आती है, विभिन्न अधिकारियों द्वारा जारी पत्रों में कई बार शीघ्र भुगतान और राशि जमा कराने का उल्लेख किया गया है। इससे यह संकेत मिलता है कि विभागीय स्तर पर भी भुगतान लंबित रहने की स्थिति को लेकर चिंता थी,कुछ पत्रों में यह तक उल्लेख है कि प्रभावित भू-स्वामी लगातार आवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं और कलेक्टर स्तर की बैठकों में भी भुगतान का मुद्दा उठाया जाता रहा है, यानी फाइलों में समस्या का उल्लेख लगातार होता रहा, लेकिन समाधान अब तक पूरी तरह जमीन पर नहीं उतर सका।

करोड़ों की राशि के दस्तावेज...लेकिन हितग्राही अब भी परेशान

विभागीय रिकॉर्ड में लगभग 12 करोड़ रुपये तथा करीब 4.56 करोड़ रुपये की राशि जमा कराने और भुगतान प्रक्रिया आगे बढ़ाने का उल्लेख सामने आया है, हैंड रिसिप्ट, रिवाइज्ड डाटा एंट्री फॉर्म और विभागीय पत्राचार में यह राशि भू-स्वामियों के भुगतान हेतु दर्शाई गई है, इसके बावजूद कई ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें अब तक वास्तविक भुगतान प्राप्त नहीं हुआ,कुछ प्रभावित परिवारों का आरोप है कि उन्हें समय पर यह तक नहीं बताया गया कि कौन-कौन से दस्तावेज आवश्यक हैं और किस प्रक्रिया के तहत भुगतान होना है, ग्रामीणों के अनुसार कई बार बैंक खाता, आधार,भूमि दस्तावेज और अन्य आवश्यक अभिलेख जमा कराने के बाद भी फाइल आगे नहीं बढ़ी,कई हितग्राहियों का कहना है कि विभागीय स्तर पर स्पष्ट जानकारी नहीं मिलने से लोग लगातार भ्रम की स्थिति में हैं।

ब्याज और अतिरिक्त वित्तीय भार का भी सवाल

लंबे समय तक भुगतान लंबित रहने से अब एक बड़ा वित्तीय सवाल भी खड़ा हो रहा है, यदि मुआवजा भुगतान में देरी हुई है और मामले न्यायालयीन प्रक्रिया तक पहुंचे हैं,तो भविष्य में ब्याज और अतिरिक्त भुगतान का भार भी बढ़ सकता है,विशेषज्ञों का मानना है कि भूमि अधिग्रहण मामलों में देरी केवल प्रशासनिक समस्या नहीं होती,बल्कि इससे परियोजना लागत भी बढ़ती है और शासन पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ता है।

न्यायालयीन प्रक्रिया का सम्मान, लेकिन लोगों का धैर्य जवाब दे...

मामला न्यायालयीन विचाराधीन होने के कारण प्रभावित पक्ष खुलकर आक्रोश व्यक्त करने से बच रहे हैं,अधिकांश लोग न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करते हुए संयमित रूप से अपनी बात रख रहे हैं, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों तक जमीन चली जाने के बाद भी यदि मुआवजा अधूरा रह जाए,तो परिवार आर्थिक और मानसिक दोनों स्तर पर प्रभावित होते हैं। कई परिवारों का कहना है कि सड़क बन गई, गाड़ियां दौड़ने लगीं, लेकिन जिनकी जमीन गई वे आज भी भुगतान का इंतजार कर रहे हैं।

लोगों की मुख्य मांगें...

प्रभावित हितग्राहियों ने शासन और प्रशासन से मांग की है कि लंबित मूल मुआवजा प्रकरणों की स्पष्ट सूची जारी की जाए,आर्बिट्रेशन और सामान्य मुआवजा मामलों को अलग-अलग सार्वजनिक किया जाए, ग्राम स्तर पर शिविर लगाकर दस्तावेज सत्यापन किया जाए,पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित किया जाए,भुगतान की स्थिति ऑनलाइन और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराई जाए,अब देखना यह होगा कि करोड़ों की स्वीकृति और लंबे विभागीय पत्राचार के बाद प्रशासन जमीनी स्तर पर राहत पहुंचाने में कितनी तेजी दिखाता है,क्योंकि सड़क परियोजना तो पूरी हो चुकी है,लेकिन मुआवजे की सड़क अब भी कई हितग्राहियों के लिए अधूरी दिखाई दे रही है।

आर्बिट्रेशन और मूल मुआवजा में उलझे लोग

पूरे मामले में सबसे बड़ा भ्रम आर्बिट्रेशन प्रकरण और मूल मुआवजा को लेकर बताया जा रहा है,हाल में जारी स्वीकृतियों और पत्राचार में मुख्य रूप से कुछ आर्बिट्रेशन मामलों का उल्लेख सामने आया है, जबकि अनेक प्रभावित परिवारों का दावा है कि उनका मूल मुआवजा ही अभी तक लंबित है,ग्रामीणों का कहना है कि जिन मामलों में न्यायालयीन आदेश या संशोधित अवार्ड जारी हुए,उन पर विभागीय प्रक्रिया कुछ आगे बढ़ी दिखाई देती है,लेकिन कई सामान्य भू-स्वामियों को अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि उनका प्रकरण किस स्थिति में है, यही कारण है कि प्रभावित लोग आज भी तहसील,एसडीएम कार्यालय,राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग और कलेक्टर कार्यालय के बीच भटकते नजर आ रहे हैं।

जिनके संपर्क में हों...उन्हें सूचित कर दीजिए...

स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी तेज है कि विभागीय स्तर से मौखिक रूप से कुछ लोगों तक सूचना पहुंचाई जा रही है कि जिन हितग्राहियों का संपर्क उपलब्ध है,उन्हें मुआवजा संबंधी जानकारी दी जाए,लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में ऐसे परिवार भी हैं जिन्हें अब तक न तो आधिकारिक सूचना मिली और न ही भुगतान प्रक्रिया की स्पष्ट स्थिति बताई गई, इससे लोगों में असंतोष बढ़ रहा है,कई प्रभावितों का कहना है कि यदि प्रशासन ग्राम पंचायत स्तर पर सार्वजनिक सूचना जारी करे, पात्र हितग्राहियों की सूची प्रकाशित करे और भुगतान की वास्तविक स्थिति बताए,तो भ्रम की स्थिति काफी हद तक समाप्त हो सकती है।

सचिवों की मनमानी से प्रशासनिक व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

खड़गवां जनपद पंचायत में सीईओ के आदेश की उड़ रही धज्जियां!

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,10 मई 2026 (घटती-घटना)।

खड़गवां जनपद पंचायत में प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं,यहां पदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) के आदेशों की खुलेआम अनदेखी किए जाने की चर्चाएं तेज हो गई हैं,आरोप है कि कई ग्राम पंचायत सचिव आदेशों का पालन करने के बजाय अपनी मनमानी पर उतारू हैं,जिससे जनपद पंचायत की कार्यप्रणाली और अनुशासन दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार पंचायतों में सीईओ द्वारा जारी निर्देशों का समय पर पालन नहीं किया जा रहा है, विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट, पंचायत अभिलेखों का संधारण, योजनाओं की मॉनिटरिंग और वित्तीय दस्तावेजों से जुड़े मामलों में लगातार लापरवाही सामने आ रही है, बताया जा रहा है कि कई सचिव आदेशों को गंभीरता से नहीं ले रहे, जिससे शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है, अब सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि आखिर सचिवों में आदेशों की अवहेलना करने का साहस कहां से आ रहा है? क्या उन्हें प्रशासनिक कार्रवाई का भय नहीं है, या फिर जनपद स्तर पर अनुशासनात्मक व्यवस्था कमजोर पड़ चुकी है? स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी जोरों पर है कि कुछ सचिवों का प्रभाव इतना मजबूत है कि अधिकारी भी दबाव में नजर आते हैं, यदि ऐसा है तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि पंचायत व्यवस्था की पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न माना जा रहा है,ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि जब जनपद पंचायत के सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी के निर्देशों का ही पालन नहीं होगा,तो ग्रामीण विकास योजनाओं की गुणवत्ता और पारदर्शिता कैसे सुनिश्चित होगी, इससे निर्माण कार्यों,भुगतान प्रक्रिया और हितग्राही मूलक योजनाओं में अनियमितता बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है, अब निगाहें जनपद पंचायत प्रशासन पर टिकी हैं। देखना होगा कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी आदेशों की अवहेलना करने वाले सचिवों पर कारण बताओ नोटिस, वेतन रोकने अथवा निलंबन जैसी कार्रवाई करते हैं या फिर मामला केवल चर्चाओं तक सीमित रह जाएगा। फिलहाल पूरा मामला खड़गवां क्षेत्र में चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है।

वर्ष 2026 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत में हजारों प्रकरणों का निराकरण

5 करोड़ से अधिक का अवार्ड पारित

-संवाददाता-

सूरजपुर,10 मई 2026 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय सूरजपुर में वर्ष 2026 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया,इस न्याय पर्व का शुभारंभ रमेश सिन्हा द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया,न्यायालय परिसर में विनीता वार्नर एवं समस्त न्यायिक अधिकारियों की उपस्थिति में वरिष्ठ नागरिक संघ के सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस दौरान अधिवक्तागण, न्यायिक कर्मचारी,बैंक,नगरपालिका एवं विद्युत विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जिलेभर के न्यायालयों को किया गया शामिल

यह नेशनल लोक अदालत केवल जिला एवं सत्र न्यायालय तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें कुटुम्ब न्यायालय,तालुका न्यायालय प्रतापपुर, बाल न्यायालय तथा जिले के सभी राजस्व न्यायालयों को भी शामिल किया गया, आयोजन का उद्देश्य वर्षों से लंबित मामलों एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का आपसी सहमति से त्वरित और सरल निराकरण करना था।

मोटर दुर्घटना दावों में पीड़ित परिवारों को बड़ी राहत

लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों के कई मामलों का निराकरण करते हुए पीड़ित परिवारों को बड़ी राहत प्रदान की गई, खण्डपीठ क्रमांक 1 में पति की दुर्घटना में मृत्यु से संबंधित वर्षों पुराने मामले का 17 लाख 50 हजार रुपये में समझौता कराया गया,वहीं खण्डपीठ क्रमांक 3 में एक अन्य मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण में पत्नी को 21 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया, खण्डपीठ क्रमांक 4 में 6 लाख 70 हजार रुपये में समझौता हुआ,जबकि खण्डपीठ क्रमांक 6 में दो अलग-अलग मामलों में 11 लाख एवं 13 लाख 50 हजार रुपये में निपटारा कराया गया। इसके अतिरिक्त अन्य खण्डपीठों में भी सैकड़ों मामलों का समझौते के आधार पर निराकरण हुआ।

दिव्यांग बालेश्वर सिंह को मिली मोटराइज्ड ट्राय साइकिल

समाज कल्याण विभाग सूरजपुर के सहयोग से ग्राम मसिरा निवासी बालेश्वर सिंह को माननीय न्यायाधीशों के हाथों मोटराइज्ड ट्राय साइकिल प्रदान की गई, कुछ वर्ष पूर्व पेड़ से गिरने के कारण उनकी कमर के नीचे का हिस्सा काम करना बंद कर चुका था,जिससे वे चलने-फिरने में असमर्थ थे,राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर ट्राय साइकिल मिलने से उनके चेहरे पर खुशी लौट आई। उन्होंने न्यायाधीशों एवं समाज कल्याण विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

33 खण्डपीठों में हुई विभिन्न मामलों की सुनवाई

त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में कुल 33 खण्डपीठों का गठन किया गया था,इन खण्डपीठों में सिविल वाद, मोटर दुर्घटना दावा,पारिवारिक विवाद,राजीनामा योग्य आपराधिक एवं राजस्व प्रकरणों के साथ-साथ बैंक, बिजली,टेलीफोन एवं जल कर बकाया से जुड़े प्री-लिटिगेशन मामलों की सुनवाई की गई, खण्डपीठों ने दोनों पक्षों के बीच संवाद स्थापित कर सौहार्दपूर्ण समाधान निकाला और हजारों मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया।

83 हजार से अधिक पक्षकार हुए लाभान्वित

द्वितीय नेशनल लोक अदालत में जिलेभर से कुल 2587 लंबित प्रकरण एवं 92592 प्री-लिटिगेशन प्रकरण विचारार्थ रखे गए थे, इनमें से 83580 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया,इस दौरान कुल 5 करोड़ 09 लाख 33 हजार 428 रुपये का अवार्ड पारित किया गया,जिससे 83 हजार 580 से अधिक पक्षकार लाभान्वित हुए, इस सफल आयोजन का श्रेय विनीता वार्नर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पूरी टीम को दिया जा रहा है।

CMYK

75 साल बाद चिरमिरी में पहुंचेगी सरकारी बिजली,53 करोड़ से बदलेगी तस्वीर....

SECL क्षेत्र के हजारों परिवारों को बड़ी राहत,अब CSPDCL से मिलेगी नियमित बिजली...

- कोयले की नगरी अब होगी सचमुच रोशन,चिरमिरी को मिली सरकारी बिजली की सौगात
- मुख्यमंत्री साय के संकल्प से चिरमिरी में 'रोशनी की आज़ादी', हर वार्ड तक पहुंचेगी बिजली
- जिस धरती ने देश को रोशन किया, अब वही चिरमिरी खुद होगी जगमग...
- 53.57 करोड़ की ऐतिहासिक परियोजना से चिरमिरी में शुरू होगा विकास का नया दौर

चिरमिरी में विकास की नई रोशनी,हर घर तक पहुंचेगा सरकारी बिजली

साय सरकार का बड़ा फैसला : चिरमिरी के सभी वार्डों में बिछेगा सरकारी बिजली नेटवर्क

-रवि सिंह-

चिरमिरी,10 मई 2026 (घटती-घटना)। देश को कोयले से रोशन करने वाली धरती चिरमिरी अब खुद रोशनी की नई इबारत लिखने जा रही है,आज़ादी के बाद से लेकर अब तक एस.ई.सी.एल. क्षेत्र के आसपास बसे हजारों परिवार सरकारी बिजली सुविधा से वंचित रहे,पीढ़ियां बीत गईं,सरकारें बदलती रहीं,योजनाएं आती-जाती रहीं,लेकिन चिरमिरी के कई वार्डों में रहने वाले लोगों के घरों तक छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की नियमित सरकारी बिजली कभी नहीं पहुंच सकी। अब 75 वर्षों बाद वह ऐतिहासिक क्षण आने जा रहा है, जब चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्ड सरकारी बिजली नेटवर्क से जुड़ेंगे,मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के संकल्प और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल के लगातार प्रयासों से यह बहुप्रतीक्षित सपना अब धरातल पर उतरने जा रहा है।

कोयले की नगरी, लेकिन अंधेरे में जीवन

चिरमिरी को देशभर में कोयला नगरी के रूप में जाना जाता है,यहां की खदानों से निकला कोयला दशकों से उद्योगों,बिजलीघरों और शहरों को ऊर्जा देता रहा है। विडंबना यह रही कि जिस क्षेत्र ने पूरे देश को रोशन किया,उसी क्षेत्र के हजारों लोग बुनियादी बिजली सुविधा के लिए संघर्ष करते रहे,एसईसीएल क्षेत्र के आसपास बसे डोमनहिल,गेल्हापानी,कोरिया कॉलरी,पोड़ी और अन्य वार्डों में रहने वाले लोगों की जिंदगी खदान प्रबंधन की पुरानी विद्युत व्यवस्था पर निर्भर थी,यह बिजली व्यवस्था अक्सर बाधित रहती थी, कई बार घंटों तक बिजली गुल रहती, जिससे बच्चों की पढ़ाई,व्यापार,घरेलू कामकाज और स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होती थीं,स्थानीय नागरिकों का कहना था कि वर्षों से वे यह सवाल पूछते रहे कि आखिर सरकारी बिजली उनके घरों तक क्यों नहीं पहुंच रही, लेकिन हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला।

मुख्यमंत्री की घोषणा बनी उम्मीद की किरण

09 दिसंबर 2024 को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के प्रवास के दौरान पहली बार इस मुद्दे पर बड़ा ऐलान हुआ, नगर निगम चिरमिरी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के माध्यम से पूरे क्षेत्र में सरकारी बिजली आपूर्ति की घोषणा की, उस समय यह घोषणा केवल एक सरकारी घोषणा नहीं थी,बल्कि हजारों परिवारों के लिए उम्मीद की नई रोशनी थी, वर्षों से उपेक्षित क्षेत्र के लोगों को पहली बार लगा कि शायद अब उनका सपना सच हो सकेगा,मुख्यमंत्री ने उस दौरान कहा था कि प्रदेश के किसी भी नागरिक को बुनियादी सुविधाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा और चिरमिरी में सरकारी बिजली पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता होगी।

53.57 करोड़ की परियोजना से बदलेगी तस्वीर

राज्य शासन ने अब इस दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना के तहत 30 मार्च 2026 को 53.08 करोड़ की राशि स्वीकृत कर दी है, पूर्व में उपलब्ध 0.49 करोड़ की राशि को मिलाकर कुल 53.57 करोड़ की लागत से चिरमिरी में विद्युत अधोसंरचना विकास कार्य शुरू किया जाएगा, 8 मई 2026 को जारी आदेश के अनुसार वर्ष 2026-27 में इस परियोजना का कार्य प्रारंभ होगा,इसके अंतर्गत नए विद्युत पोल, ट्रांसफॉर्मर, केबल लाइन और वितरण नेटवर्क तैयार किए जाएंगे, जिससे पूरे नगर निगम क्षेत्र में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सके, जानकारों के अनुसार यह परियोजना केवल बिजली व्यवस्था तक सीमित नहीं होगी, बल्कि इससे पूरे क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी।

हर घर तक पहुंचेगी सरकारी बिजली-

परियोजना पूरी होने के बाद चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्ड सीधे छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी नेटवर्क से जुड़ जाएंगे, इससे लोगों को नियमित और स्थायी बिजली सुविधा मिलेगी, स्थानीय नागरिकों का कहना है कि वर्तमान में खदान क्षेत्र की बिजली व्यवस्था पर निर्भरता के कारण आए दिन तकनीकी समस्याएं सामने आती थीं, कई क्षेत्रों में लो-वोल्टेज और बार-बार बिजली कटौती आम बात थी, अब सरकारी नेटवर्क बनने से लोगों को राहत मिलेगी, घरों में बिजली उपकरण बेहतर तरीके से चल सकेंगे, विद्यार्थियों को पढ़ाई में सुविधा होगी और छोटे व्यापारियों को भी बड़ा लाभ मिलेगा।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जताया आभार-

क्षेत्रीय विधायक एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह केवल बिजली परियोजना नहीं, बल्कि चिरमिरी की जनता को उनका वर्षों पुराना अधिकार दिलाने जैसा है, उन्होंने कहा कि आज़ादी के बाद से जो सपना अधूरा था, वह अब पूरा होने जा रहा है, मुख्यमंत्री की दूरदृष्टि और संवेदनशीलता के कारण यह ऐतिहासिक कार्य संभव हो पाया है, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि चिरमिरी के लोगों ने वर्षों तक समस्याओं का सामना किया है, लेकिन अब क्षेत्र तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है और यह परियोजना उस बदलाव का सबसे बड़ा प्रतीक बनेगी।

बदलेगा जीवन स्तर, बढ़ेगी सुविधाएं : विशेषज्ञों का मानना है कि स्थायी सरकारी बिजली व्यवस्था शुरू होने के बाद चिरमिरी क्षेत्र में जीवन स्तर में बड़ा सुधार आएगा, नियमित बिजली मिलने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी,छोटे व्यवसाय और दुकानों को लाभ मिलेगा,घरेलू उपकरण सुचारु रूप से चल सकेंगे,स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा,पेयजल आपूर्ति व्यवस्था बेहतर होगी, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी,इसके अलावा भविष्य में नए निवेश और विकास कार्यों की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

इतिहास में दर्ज होगा यह दिन

चिरमिरी के बुजुर्ग बताते हैं कि उन्होंने अपने जीवन में कई सरकारें देखीं, लेकिन सरकारी बिजली का सपना हमेशा अधूरा ही रहा,अब पहली बार ऐसा लग रहा है कि आने वाली पीढ़ियां उस परेशानी को नहीं झेलेंगी जो दशकों से लोग सहते आए हैं, जिस धरती ने देश को ऊर्जा दी, अब वही धरती खुद विकास और रोशनी के नए दौर में प्रवेश करने जा रही है, 53 करोड़ से अधिक की यह परियोजना केवल अधोसंरचना निर्माण नहीं, बल्कि चिरमिरी के आत्मसम्मान और अधिकार से जुड़ा ऐतिहासिक कदम मानी जा रही है,आज चिरमिरी की आंखों में जो चमक दिखाई दे रही है,वह केवल बिजली के बल्बों की नहीं, बल्कि वर्षों बाद पूरी हुई उम्मीदों की रोशनी है।

परसा कोल ब्लॉक के कार्यों पर उठे सवाल...तालाब निर्माण और वृक्षारोपण में अनियमितता के आरोप

करोड़ों के कार्यों में गुणवत्ता पर संदेह,ग्रामीण बोले...'कागजों में ज्यादा,जमीन पर कम दिख रहा काम'

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,10 मई 2026 (घटती-घटना)। वन परिक्षेत्र खड़गवां अंतर्गत परसा कोल ब्लॉक क्षेत्र में वन विभाग द्वारा कराए जा रहे तालाब निर्माण एवं वृक्षारोपण कार्य अब सवालों के घेरे में आ गए हैं, स्थानीय ग्रामीणों ने निर्माण कार्यों में भारी अनियमितता, गुणवत्ता में लापरवाही और सरकारी राशि के दुरुपयोग के आरोप लगाए हैं, ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों रुपये की लागत से कराए जा रहे इन कार्यों में तय मापदंडों और तकनीकी गुणवत्ता का पालन नहीं किया जा रहा है, कई स्थानों पर निर्माण कार्य अधूरा दिखाई दे रहा है, जबकि कागजों में काम पूरा दर्शाए जाने की चर्चा क्षेत्र में हो रही है।

बता दे की खड़गवां के परसा कोल ब्लॉक क्षेत्र में तालाब निर्माण और वृक्षारोपण कार्यों को लेकर उठे सवाल अब स्थानीय स्तर पर चर्चा का बड़ा विषय बन चुके हैं, यदि ग्रामीणों के आरोप सही साबित होते हैं तो यह केवल निर्माण गुणवत्ता का मामला नहीं बल्कि सरकारी धन के उपयोग और योजनाओं की निगरानी व्यवस्था पर भी बड़ा प्रश्नचिह्न होगा, अब निगाहें प्रशासन और वन विभाग पर टिकी हैं कि क्या इन शिकायतों की गंभीरता से जांच होगी या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा।

तालाब निर्माण की गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल

ग्रामीणों के अनुसार तालाब निर्माण कार्य में तकनीकी मानकों की अनदेखी की जा रही है, आरोप है कि तालाब के मेढ़ निर्माण में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया, स्थानीय लोगों ने बताया कि सामान्यतः तालाब के मेढ़ के पटल पर काली मिट्टी डालकर उसे पानी से गीला कर मजबूत आधार तैयार किया जाता है,लेकिन कई निर्माण स्थलों पर यह प्रक्रिया अपनाई ही नहीं गई, इसके बजाय पास की साधारण मिट्टी का उपयोग कर मेढ़ तैयार कर दिया गया, जिससे बरसात के दौरान तालाब के फूटने का खतरा बना हुआ है, ग्रामीणों का कहना है कि यदि भारी बारिश हुई तो कमजोर मेढ़ टिक नहीं पाएंगे और पूरा निर्माण कार्य क्षतिग्रस्त हो सकता है।

वन परिक्षेत्र खड़गवां, परसा कोल ब्लॉक में तालाब निर्माण व वृक्षारोपण कार्य में अनियमितता के आरोप

पत्थर पिचिंग सिर्फ दिखावे के लिए...

तालाब निर्माण कार्य में मेढ़ के दोनों ओर पत्थर पिचिंग किया जाना अनिवार्य माना जाता है ताकि कटाव रोका जा सके, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि पिचिंग कार्य केवल औपचारिकता बनकर रह गया है, कई जगहों पर पत्थरों की परत बेहद कमजोर और सीमित दिखाई दे रही है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं, ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जिस स्तर की मजबूती करोड़ों की लागत वाले निर्माण में दिखाई देनी चाहिए, वह जमीन पर नजर नहीं आ रही।

वृक्षारोपण कार्य में भी खानापूर्ति के आरोप...

तालाब निर्माण के साथ-साथ वृक्षारोपण कार्य को लेकर भी ग्रामीणों ने गंभीर सवाल उठाए हैं, आरोप है कि कई स्थानों पर पुराने पौधों की जड़ों को पूरी तरह हटाए बिना ही नए पौधारोपण के लिए गड्ढे बना दिए गए, स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमानुसार पुराने पौधों और जड़ों को पूरी तरह हटाकर भूमि को तैयार किया जाना चाहिए,लेकिन यहां जल्दबाजी और खानापूर्ति के तरीके अपनाए गए हैं, ग्रामीणों का कहना है कि यदि जड़ों की समुचित सफाई नहीं होगी तो नए पौधों की वृद्धि प्रभावित होगी और वृक्षारोपण अभियान केवल आंकड़ों तक सीमित रह जाएगा।

जमीन पर कम, कागजों में ज्यादा काम

क्षेत्र में यह चर्चा भी तेज है कि कई कार्यों को कागजों में अधिक और जमीन पर कम दिखाया जा रहा है, ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्यों में पारदर्शिता की कमी है और संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण नहीं किया जा रहा,लोगों का कहना है कि यदि समय-समय पर तकनीकी निरीक्षण होता तो निर्माण गुणवत्ता और कार्यप्रणाली में ऐसी शिकायतें सामने नहीं आतीं।

सरकारी राशि के दुरुपयोग की आशंका

स्थानीय ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि यदि निर्माण कार्यों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो कई गंभीर अनियमितताएं सामने आ सकती हैं, ग्रामीणों का कहना है कि सरकार द्वारा क्षेत्रीय विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन यदि कार्य गुणवत्ताहीन होंगे तो योजनाओं का वास्तविक लाभ जनता तक नहीं पहुंच पाएगा।

जांच और कार्रवाई की मांग...

ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और जिम्मेदार अधिकारियों व ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है, लोगों का कहना है कि सरकारी योजनाओं का उद्देश्य क्षेत्र का विकास और पर्यावरण संरक्षण है, लेकिन यदि निर्माण कार्यों में ही लापरवाही होगी तो योजनाएं केवल कागजी उपलब्धि बनकर रह जाएंगी।

वन विभाग का पक्ष नहीं मिल सका

इस संबंध में वन परिक्षेत्र अधिकारी खड़गवां से उनका पक्ष जानने के लिए मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया, जिसके कारण उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका।

टू-ए ऑफिसर कॉलोनी चोरी कांड का खुलासा विश्रामपुर पुलिस ने आरोपी को दबोचा...

-संवाददाता-

सूरजपुर/विश्रामपुर,10 मई 2026 (घटती-घटना)। थाना विश्रामपुर पुलिस ने टू-ए ऑफिसर कॉलोनी में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है, आरोपी ने डॉक्टर के सरकारी क्वार्टर से नगदी चोरी करने के साथ-साथ दो मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं को भी अंजाम देना स्वीकार किया है। जानकारी के अनुसार 07 अप्रैल 2026 को टू-ए ऑफिसर कॉलोनी निवासी डॉ. शुभांगी वर्मा ने थाना विश्रामपुर में शिकायत दर्ज कराई थी कि 06 अप्रैल की शाम वह इमरजेंसी ड्यूटी के लिए अपने क्वार्टर में ताला लगाकर अस्पताल गई थीं, पूरी रात ड्यूटी करने के बाद अगले दिन सुबह जब वह वापस लौटीं तो क्वार्टर का दरवाजा खुला मिला, अंदर जांच करने पर आलमारी में रखे पर्स से करीब 40 हजार रुपये नगद गायब मिले, शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस लगातार संदिग्धों पर नजर रख रही थी, इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि शिवनंदनपुर निवासी आदित्य साहनी घटना वाली रात संदिग्ध परिस्थिति में घूमता देखा गया था और घटना के बाद से फरार चल रहा है, 07 मई को पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी अपाचे मोटरसाइकिल से विश्रामपुर क्षेत्र में घूम रहा है, पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया, पूछताछ में आरोपी आदित्य साहनी (19 वर्ष) ने क्वार्टर नंबर 39 का ताला तोड़कर घर में घुसने और पर्स से लगभग 40 हजार रुपये चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी ने बताया कि चोरी की अधिकांश रकम वह खर्च कर चुका है, पुलिस ने उसकी निशानदेही पर 7,500 रुपये नगद तथा घटना में प्रयुक्त सुंगा रॉड बरामद कर जब्त कर लिया, पूछताछ के दौरान आरोपी ने दो मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं का भी खुलासा किया। आरोपी ने बताया कि उसने 22 अप्रैल को ग्राम तिलसिवां मेन रोड से एफजेडएस मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 15 डीई 6352 चोरी की थी, जिसे बाद में पेट्रोल खत्म होने पर छोड़कर फरार हो गया था, इसके अलावा 03 मई को उसने अम्बिकापुर के गंगापुर कन्या परिसर से अपाचे मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 15 ईई 0274 चोरी की थी, जिसका उपयोग वह विश्रामपुर में कर रहा था, पुलिस ने चोरी की अपाचे बाइक भी बरामद कर ली है, पूरे मामले के खुलासे में थाना प्रभारी प्रकाश राठौर के नेतृत्व में पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्रवाई में एएसआई अशोक साहू सहित पुलिस स्टाफ सक्रिय रहा।

C M Y K

वरिष्ठता का खेल या घोटाला? खाद्य विभाग में 10 साल की उलटी सूची पर हाईकोर्ट सख्त

पहले नियुक्त अधिकारी पीछे,बाद वाले आगे! खाद्य विभाग की वरिष्ठता सूची पर बड़ा विवाद

हाईकोर्ट के आदेश से बढ़े सवाल, किसने बनाई विवादित वरिष्ठता सूची?

खाद्य विभाग में प्रमोशन का खेल? अदालत पहुंचा 10 साल पुराना विवाद

गलत सूची,सीधी पदोन्नति और अब कोर्ट की एंट्री –खाद्य विभाग में मचा हड़कंप

वरिष्ठता सूची पर बवाल,स्थापना शाखा से लेकर अवर सचिव तक उठे सवाल

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग में 'सीनियरिटी गेम' का खुलासा!

मेरिट दबाई या नियम तोड़े? हाईकोर्ट के आदेश के बाद विभाग कटघरे में

2015 वाले पीछे,2016 वाले आगे! अब कोर्ट ने मांगा पूरा हिसाब

विवादित वरिष्ठता सूची पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला,60 दिन में पुनर्विचार के निर्देश

क्या गलत सूची के आधार पर हुए प्रमोशन? अब विभागीय व्यवस्था पर सवाल

वरिष्ठता विवाद ने खोली सिस्टम की परतें,विभाग में बढ़ी बेचैनी

हाईकोर्ट पहुंचा वरिष्ठता विवाद,अब जिम्मेदारी तय होने की मांग तेज

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की वरिष्ठता सूची पर हाईकोर्ट सख्त

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा पारित एक महत्वपूर्ण आदेश में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की वरिष्ठता सूची को लेकर बड़ा फैसला सामने आया है,इस मामले में याचिकाकर्ता अपर्णा आर्य,राखी ठाकुर और सरिता पटेल ने वर्ष 2021 में जारी वरिष्ठता सूची को चुनौती दी थी,याचिकाकर्ताओं का कहना था कि उनकी नियुक्ति वर्ष 2015 में हुई थी, जबकि निजी प्रतिवादी वर्ष 2016 में नियुक्त हुए थे, इसके बावजूद उन्हें वरिष्ठता सूची में ऊपर स्थान दिया गया,मामले की सुनवाई के दौरान माननीय न्यायमूर्ति राकेश मोहन पांडे ने अपने 28 अप्रैल 2026 के आदेश में महत्वपूर्ण टिप्पणियां कीं,न्यायालय ने कहा...कि वर्ष 2015 और 2016 की नियुक्तियां अलग-अलग भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से हुई थीं, ऐसे में दोनों भर्ती प्रक्रियाओं को एक संयुक्त वरिष्ठता सूची में शामिल करना छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सामान्य सेवा शर्तें) नियम,1961 के नियम 12 के अनुरूप नहीं माना जा सकता,न्यायालय ने 18 नवंबर 2021 के आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को नया अभ्यावेदन प्रस्तुत करने की स्वतंत्रता दी है, साथ ही संबंधित प्राधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वह 60 दिनों के भीतर वरिष्ठता सूची पर पुनर्विचार कर निर्णय ले,यह फैसला उन कर्मचारियों के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है जिनकी वरिष्ठता अलग-अलग भर्ती वर्षों के बावजूद संयुक्त सूची में तय की गई है, विभागीय स्तर पर इस आदेश को भविष्य की वरिष्ठता और पदोन्नति प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

-न्यूज डेस्क-

रायपुर,10 मई 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग में वर्षों से चल रहा वरिष्ठता एवं पदोन्नति विवाद अब बड़ा प्रशासनिक और कानूनी मुद्दा बन चुका है,विभाग में वर्ष 2015 से लेकर 2026 तक तैयार की गई वरिष्ठता सूची, पदोन्नति आदेश,मेरिट और आरक्षण रोस्टर को लेकर उठे सवाल अब सीधे छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय तक पहुंच चुके हैं,अदालत द्वारा वरिष्ठता सूची पर पुनर्विचार के निर्देश दिए जाने के बाद विभागीय व्यवस्था,स्थापना शाखा और फाइल प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। दैनिक घटती-घटना ने इस पूरे विवाद को लगातार प्रमुखता से प्रकाशित किया था। अखबार द्वारा पहले ही यह सवाल उठाया गया था कि आखिर कैसे पहले नियुक्त अधिकारी पीछे और बाद में नियुक्त अधिकारी वरिष्ठता सूची में आगे पहुंच गए, अब जब मामला न्यायालय पहुंचा और अदालत ने भी पुनर्विचार का आदेश दे दिया, तब विभागीय निर्णयों की निष्पक्षता पर चर्चा और तेज हो गई है।

पहले नियुक्त अधिकारी पीछे,बाद वाले आगे बना सबसे बड़ा विवाद

विभागीय कर्मचारियों के बीच सबसे बड़ा सवाल यही बना हुआ है कि आखिर पहले नियुक्त अधिकारियों को पीछे और बाद में नियुक्त अधिकारियों को आगे कैसे रखा गया,कर्मचारियों का कहना है कि वरिष्ठता सूची केवल नामों की सूची नहीं होती, बल्कि इसी के आधार पर पदोन्नति, प्रशासनिक अधिकार और भविष्य की सेवा संरचना तय होती है,सूत्रों के अनुसार विवादित सूची के आधार पर आगे चलकर पदोन्नति आदेश भी जारी हुए,यही वजह है कि अब प्रमोशन प्रक्रिया भी सवालों के घेरे में आ गई है,कर्मचारियों का आरोप है कि यदि वरिष्ठता सूची में त्रुटि थी तो उसी आधार पर हुए पदोन्नति आदेशों की वैधता पर भी प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

स्थापना शाखा की भूमिका पर गंभीर सवाल

इस पूरे विवाद में विभाग की स्थापना शाखा सबसे ज्यादा चर्चा में है,विभागीय सूत्रों के अनुसार वरिष्ठता सूची तैयार करने और पदोन्नति प्रस्तावों की प्रक्रिया इसी शाखा से संचालित होती है,यही कारण है कि अब यह सवाल उठ रहा है कि यदि लगातार शिकायतें और आपत्तियां सामने आ रही थीं तो स्थापना शाखा ने समय रहते रिकॉर्ड की समीक्षा क्यों नहीं की,विभागीय चर्चाओं में एडीसी बेणीराम साहू की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं,कर्मचारियों का कहना है कि फाइलें केवल औपचारिक रूप से आगे बढ़ाई गईं या फिर उनका गंभीर परीक्षण भी हुआ –यह अब जांच का विषय बन चुका है,हालांकि अभी तक किसी अधिकारी की आधिकारिक जिम्मेदारी तय नहीं हुई है,लेकिन विभागीय कर्मचारियों का मानना है कि यदि प्रारंभिक स्तर पर निष्पक्ष जांच और रिकॉर्ड परीक्षण हुआ होता तो मामला अदालत तक नहीं पहुंचता।

अवर सचिव की भूमिका पर भी उठे सवाल

इस पूरे विवाद में अब विभागीय अवर सचिव की भूमिका को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है,कर्मचारियों का कहना है कि पदोन्नति और वरिष्ठता से जुड़ी फाइलें कई प्रशासनिक स्तरों से गुजरते हुए अवर सचिव तक पहुंचती हैं,ऐसे में यदि लगातार शिकायतें सामने आ रही थीं तो क्या उस स्तर पर स्वतंत्र जांच और स्क्रूटनी नहीं होनी चाहिए थी? सूत्रों के अनुसार विभाग के भीतर यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या पुराने स्तरों से आई फाइलों को बिना गहन परीक्षण के आगे बढ़ा दिया गया। कर्मचारियों का कहना है कि अवर सचिव स्तर केवल हस्ताक्षर की औपचारिकता नहीं होता, बल्कि वहां पर नियमों और प्रक्रिया की वैधानिक समीक्षा भी अपेक्षित होती है, यही कारण है कि अब विभागीय कर्मचारियों के बीच यह चर्चा तेज हो गई है कि आखिर प्रशासनिक स्तर पर कहां-कहां चूक हुई।

क्या मेरिट सूची और आरक्षण रोस्टर की अनदेखी हुई?

विभाग के भीतर यह चर्चा भी तेज है कि वरिष्ठता निर्धारण में मेरिट सूची और आरक्षण रोस्टर का सही पालन नहीं हुआ, कुछ कर्मचारियों का आरोप है कि चयन सूची और अंतिम वरिष्ठता सूची में अंतर दिखाई देता है,हालांकि इन आरोपों की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है,लेकिन अदालत द्वारा पुनर्विचार के निर्देश दिए जाने के बाद यह पूरा मामला और संवेदनशील हो गया है,कर्मचारियों का कहना है कि यदि पुनर्विचार प्रक्रिया में पुराने रिकॉर्ड, चयन सूची,नियुक्ति आदेश और आरक्षण रोस्टर की निष्पक्ष जांच होती है तो कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं।

क्या यह केवल गलती थी या सुनियोजित प्रक्रिया?

पूरा मामला अब इसी प्रश्न पर आकर टिक गया है कि क्या यह केवल प्रशासनिक त्रुटि थी या फिर किसी विशेष वर्ग को लाभ पहुंचाने वाली सुनियोजित प्रक्रिया? यदि यह गलती थी तो वर्षों तक सुधार क्यों नहीं हुआ? यदि शिकायतें थीं तो जांच क्यों नहीं हुई? यदि नियम स्पष्ट थे तो मामला अदालत तक क्यों पहुंचा? इन्हीं सवालों के कारण अब कर्मचारी संगठन पूरे मामले की स्वतंत्र जांच की मांग उठा रहे हैं।

पदोन्नति आदेश भी विवाद में...

सूत्रों के अनुसार विवादित वरिष्ठता सूची के आधार पर जारी कुछ पदोन्नति आदेशों पर भी सवाल उठ रहे हैं, कर्मचारियों का कहना है कि यदि मूल वरिष्ठता सूची ही विवादित है तो उसके आधार पर जारी पदोन्नति आदेशों की भी समीक्षा होना आवश्यक है,कुछ कर्मचारी संगठन अब पूरे प्रमोशन रिकॉर्ड, फाइल मूवमेंट और प्रशासनिक अनुमोदन प्रक्रिया की जांच की मांग कर रहे हैं।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद विभाग में बढ़ा दबाव

हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब विभागीय अधिकारियों पर निष्पक्ष पुनर्विचार का दबाव बढ़ गया है, कर्मचारियों का कहना है कि अब विभाग को रिकॉर्ड की पारदर्शी समीक्षा करनी होगी, विभागीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि यदि वरिष्ठता सूची में बदलाव होता है तो उसका असर पुराने प्रमोशन, पदक्रम और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी पड़ सकता है।

दैनिक घटती-घटना की खबरों को मिली मजबूती

दैनिक घटती-घटना ने इस पूरे विवाद को लगातार प्रमुखता से प्रकाशित किया था,अखबार ने पहले ही वरिष्ठता सूची,मेरिट विवाद,स्थापना शाखा की भूमिका और पदोन्नति आदेशों को लेकर गंभीर सवाल उठाए थे,अब अदालत द्वारा पुनर्विचार के निर्देश दिए जाने के बाद अखबार द्वारा उठाए गए मुद्दों को और मजबूती मिली है,विभागीय कर्मचारियों का कहना है कि यदि यह मामला लगातार सार्वजनिक नहीं होता तो शायद विवाद दबा रह जाता।

क्या होगी स्वतंत्र जांच?

वर्तमान स्थिति में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या विभाग केवल औपचारिक पुनर्विचार करेगा या फिर पूरे मामले की स्वतंत्र जांच भी होगी,कर्मचारी संगठनों का एक वर्ग अब आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा या स्वतंत्र प्रशासनिक जांच की मांग उठा रहा है,हालांकि सरकार की ओर से अभी तक इस संबंध में कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई है।

अब सबकी नजर अगले फैसले पर

फिलहाल सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि विभाग न्यायालय के निर्देशों के बाद क्या कदम उठाता है,क्या वरिष्ठता सूची बदलेगी? क्या विवादित प्रमोशन आदेशों की समीक्षा होगी? क्या जिम्मेदारी तय होगी?

क्या फाइल प्रक्रिया की जांच होगी?

इन सवालों के जवाब आने वाले समय में सामने आएंगे,लेकिन इतना तय है कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग का यह वरिष्ठता विवाद अब केवल विभागीय असंतोष का मामला नहीं रहा। यह अब प्रशासनिक पारदर्शिता,जवाबदेही और सरकारी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर बड़ा प्रश्न बन चुका है।

शराब की प्लास्टिक बोतल योजना फेल छत्तीसगढ़ में 65 प्रतिशत घटा उत्पादन

रायपुर,10 मई 2026। छत्तीसगढ़ में शराब बिक्री को लेकर आबकारी विभाग का नया प्रयोग अब खुद विभाग और डिस्टलरीज के लिए बड़ी परेशानी बनता जा रहा है। कांच की बोतलों की जगह प्लास्टिक (फाइबर) बोतलों में देशी शराब बेचने का फैसला लागू होते ही उत्पादन और सप्लाई व्यवस्था लडखड़ा गई है। हालत यह है कि राज्य में देशी शराब का उत्पादन करीब 65 प्रतिशत तक प्रभावित हो गया है और कई दुकानों में लोगों को उनकी पसंद का ब्रांड तक नहीं मिल पा रहा। 1 अप्रैल से इस व्यवस्था को लागू कर दिया गया। विभाग का तर्क था कि प्लास्टिक बोतलें हल्की होती हैं, टूटती नहीं हैं और परिवहन में खर्च भी कम आता है। लेकिन जमीन पर यह फैसला उल्टा पड़ता नजर आ रहा है। सूत्रों के अनुसार राज्य की पांच प्रमुख डिस्टलरीज इस बदलाव से सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं। दरअसल, शराब की बॉटलिंग के लिए जो मशीनें और सिस्टम लगाए गए हैं, वे कांच की बोतलों के हिसाब से डिजाइन किए गए थे। अब उन्हीं मशीनों में हल्की प्लास्टिक बोतलें रखने पर वे बार-बार गिर रही हैं, जिससे बॉटलिंग की पूरी प्रक्रिया धीमी हो गई है।

बाजार में पसंदीदा ब्रांड की किल्लत

उत्पादन कम होने का असर अब बाजार में भी दिखाई देने लगा है। कई शराब दुकानों में देशी शराब के लोकप्रिय ब्रांड उपलब्ध नहीं हैं। शराब कारोबार से जुड़े लोगों का कहना है कि सप्लाई प्रभावित होने से दुकानों में स्टॉक की कमी लगातार बढ़ रही है।

प्लास्टिक बनाम कांच की बहस तेज

इस फैसले के बाद अब कांच और प्लास्टिक बोतलों को लेकर बहस भी तेज हो गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक कांच की बोतलें शराब भंडारण के लिए ज्यादा सुरक्षित मानी जाती हैं,क्योंकि कांच शराब के साथ रासायनिक प्रतिक्रिया नहीं करता और लंबे समय तक स्वाद एवं गुणवत्ता बनाए रखता है। वहीं प्लास्टिक बोतलों को हल्का और सस्ता जरूर माना जाता है।

देश की प्रगति और राष्ट्रीय एकता में क्षत्रिय कुर्मी समाज का योगदान अविस्मरणीय : सीएम साय

रायपुर,10 मई 2026। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज कबीरधाम जिले के डोंगरिया में आयोजित अखिल भारतीय क्षत्रिय कुर्मी समाज के प्रदेश स्तरीय सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने समाज की एकता, संगठन,सामाजिक चेतना तथा देश और प्रदेश के विकास में कुर्मी समाज के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि एक संगठित और सशक्त समाज ही मजबूत राष्ट्र की आधारशिला होता है। मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों को सिंचाई,सड़क और धार्मिक पर्यटन से जुड़े महत्वपूर्ण विकास कार्यों की सौगात भी दी। इससे पूर्व उन्होंने जलेश्वर महादेव धाम पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया तथा प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कुर्मी समाज का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज और

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जैसी महान विभूतियों ने देश की एकता, सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि कुर्मी समाज मेहनतकश,प्रगतिशील और जागरूक समाज है, जिसने खेती-किसानी से लेकर शिक्षा, प्रशासन और सामाजिक नेतृत्व तक हर क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण के नए दौर से गुजर रहा है। अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर निर्माण करोड़ों देश वासियों की आस्था का प्रतीक बना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार रामलला दर्शन योजना के माध्यम से श्रद्धालुओं को अयोध्या दर्शन करा रही है तथा अब तक लगभग 42 हजार श्रद्धालु इसका लाभ ले चुके हैं।

महासमुंद एलपीजी घोटाले का मास्टरमाइंड निकला फूड ऑफिसर

ढाबे पर हुई 92 टन गैस की डील,3 दिन में खाली किए 6 टैंकर

रायपुर,10 मई 2026। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में जब्त एलपीजी गैस कैप्सूल ट्रकों से करोड़ों रुपए की गैस गायब होने के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। जांच में जिला खाद्य अधिकारी अजय यादव को पूरे सिंडिकेट का मास्टरमाइंड बताया गया है। आरंग के एक ढाबे में 92 टन गैस की डील हुई और 3 दिन में कैप्सूल खाली हो गए।

पुलिस के मुताबिक, खाद्य अधिकारी ने गौरव गैस एजेंसी के संचालक पंकज चंद्राकर,रायपुर निवासी मनीष चौधरी और अन्य आरोपियों के साथ मिलकर करीब डेढ़ करोड़ रुपए की गैस का गबन किया। इस मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है,जबकि

संतोष ठाकुर और सार्थक ठाकुर अब भी फरार है। पुलिस के अनुसार,दिसंबर 2025 में सिंघोड़ा थाना क्षेत्र में 6 एलपीजी गैस से भरे कैप्सूल ट्रक जब्त किए गए थे। भीषण गर्मी और सुरक्षा कारणों से इन्हें सुरक्षित स्थान पर रखने के निर्देश कलेक्टर कार्यालय से खाद्य विभाग को दिए गए।

रिश्वत लेते हुए एएसआई हुआ गिरफ्तार

मारपीट के मामले को रफा-दफा करने के लिए मांग रहा था पैसा...

बिलासपुर/सक्ती,10 मई 2026। सक्ती जिले के थाना चंद्रपुर में पदस्थ एक सहायक उप निरीक्षक को एंटी करप्शन ब्यूरो ने रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपी एएसआई एसएन मिश्रा पर मारपीट के एक मामले को रफादफा करने के बदले 40 हजार रुपये रिश्वत मांग रहा था। एसीबी से मिली जानकारी के अनुसार,ग्राम बालपुर निवासी शिव प्रसाद बरेठ ने बिलासपुर स्थित एसीबी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि ग्राम बालपुर निवासी सरस्वती जायसवाल द्वारा उनके तथा परिवार के सदस्यों के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट थाना चंद्रपुर में दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता का आरोप था कि मामले में कड़ी कार्रवाई से बचाने और राहत दिलाने के बदले एएसआई एसएन मिश्रा द्वारा 40 हजार रुपये की मांग की जा रही थी। एसीबी ने शिकायत का सत्यापन कराया,जिसमें आरोपी द्वारा पहली किश्त के रूप में 20 हजार रुपये लेने की पुष्टि हुई। इसके बाद एसीबी टीम ने ट्रैप की योजना बनाई। शनिवार 09 मई को शिकायतकर्ता को आरोपी ने चंद्रपुर स्थित गुड्डू ढाबा बुलाया। यहां दूसरी किश्त के रूप में 20 हजार रुपये लेते समय एसीबी की टीम ने आरोपी एएसआई को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)